RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महमंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 75 ता. 11 सितम्बर 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

मणिपुर यूनिवर्सिटी में होने वाले यूजी और पीजी के सभी एग्जाम टले

इम्फाल । हिंसा की आशंका के चलते मणिपुर यूनिवर्सिटी में होने वाले यूजी और पीजी के सभी एग्जाम को टाल दिया गया है। वहीं राज्य के तीन जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। अधिकारियों ने इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और थौबल में फिर से कर्फ्यू लगाया है। राज्य में बढ़ती हिंसा के खिलाफ मणिपुर के मुख्यमंत्री सचिवालय और इंफाल में राजभवन के सामने प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों छात्र फिर से इमा मार्केट (नुपी कीथेल) में जमा हो गए। वह दोबारा अपनी मांगों को लेकर एक जगह पर एकत्रित हुए हैं। इसके साथ ही सरकार ने 5 दिनों के लिए राज्य के 5 जिलों में इंटरनेट को बंद कर दिया है। राज्य के गृह विभाग ने एक अधिसूचना में कहा कि यह निर्णय तस्वीर, नफरती भाषण और नफरती वीडियो के प्रसार के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए लिया गया है। अधिसूचना में कहा गया है, ''मणिपुर राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में 10 सितंबर को अपराह्न 3 बजे से 15 सितंबर को अपराह्न 3 बजे तक पांच दिनों के लिए लीज लाइन, वीसैट, ब्रॉडबैंड और वीपीएन सेवाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित/रोकने का आदेश दिया गया है।

एनआईए ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड तस्कर मुनियाद अली खान को भारत लाई

जयपुर । राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआई) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड की तस्करी करने वाले तस्कर मुनियाद अली खान को भारत लेकर आई है। आरोपी गोल्ड तस्कर को यूएई से इंटरपोल के द्वारा भारत लाया गया है। आरोपी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना तस्करी के नेटवर्क में शामिल है। आरोपी के खिलाफ कुछ समय पहले ही रेड नोटिस जारी किया था। जिसके बाद एनआईए सहित कई टीमें सक्रिय हुई और अबू धाबी के साथ समन्वय करते हुए संयुक्त अरब अमीरात से आरोपी तस्कर खान को भारत लाया गया। एनआईए ने आरोपी के खिलाफ 22 सितंबर 2020 को एक शिकायत दर्ज की थी। आरोपी खान अपने साथियों के साथ मिल कर गोल्ड की तस्करी किया करता था। जयपुर एयरपोर्ट पर एआईए की टीम ने लिया मुनियाद को हिरासत में ले लिया है। एनआईए ने जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 3 जुलाई 2020 को तस्करी कर लाए गए गोल्ड बार्स की जब्ती के संबंध में 22 सितंबर 2020 में एक मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान पाया गया कि रेड नोटिस वाले खान ने सह-आरोपियों के साथ मिलकर रियाद, सऊदी अरब से भारत में गोल्ड बार्स की अवैध तस्करी की और उस की रूपरेखा तैयार की थी। आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रियाद से जयपुर, भारत में तस्करी के लिए गोल्ड बार्स उपलब्ध कराए थे। वह रियाद, सऊदी अरब से जयपुर, भारत में सोने की अंतरराष्ट्रीय तस्करी में लिप्त है। एनआईए ने रेड नोटिस वाले व्यक्ति के खिलाफ एनआईए की विशेष अदालत, जयपुर के समक्ष 22 मार्च 2021 को आरोप पत्र पेश किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा तो क्या रूस से तेल लेना भी बंद कर दें?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इजराइल को हथियारों के निर्यात को रोक लगाने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट देश की विदेश नीति के क्षेत्र में दखल नहीं दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष में भी ऐसी ही स्थिति पैदा हो सकती है जिसमें रूस से तेल आयात न करने की दलील दी जा सकती है। भारत रूस से तेल आयात करता है। क्या सर्वोच्च न्यायालय यह कह सकता है कि आपको रूस से तेल आयात करना बंद कर देना चाहिए? ये निर्णय विदेश नीति का मामला है और देश की जरूरतों पर निर्भर करता है। कोर्ट ने बांग्लादेश या मालदीव के साथ आर्थिक संबंधों की स्थिति से संबंधित अन्य उदाहरण भी दिए। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की कोई रोक कोर्ट द्वारा नहीं लगाई जा सकती क्योंकि ऐसे फैसले सरकार आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए करती है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस तरह की याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती है क्योंकि इजरायल एक संप्रभु देश है और भारतीय अदालतों के अधिकार क्षेत्र में नहीं आ सकता। गौरतलब है कि अशोक कुमार शर्मा और अन्य लोगों ने प्रशांत भूषण के माध्यम से एक जनहित याचिका दायर की थी जिसमें केंद्र को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह इजरायल को हथियार और अन्य सैन्य उपकरण निर्यात करने वाली भारतीय फर्मों के लाइसेंस रद्द कर दे और उन्हें नए लाइसेंस न दे।चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा है कि भारतीय कंपनियों ने इजराइल को हथियारों और सैन्य उपकरणों के निर्यात में लिए अनुबंध किए हैं।

राहुल गांधी चीन को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में पेश करने का प्रयास करते हैं - हिमन्त बिश्व शर्मा

रांची । असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर चीन को बढ़ावा देने और भारत को कमजोर करने का आरोप लगाया। बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में सरमा ने कहा, राहुल गांधी विभिन्न तरीकों से चीन को बढ़ावा देते हैं। भारत को कमजोर करते हुए, वह चीन को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में पेश करने का प्रयास करते हैं। लेकिन, चीन में न तो लोकतंत्र है और न ही लोगों के लिए धार्मिक स्वतंत्रता। लेकिन, गांधी इनके बारे में बात नहीं करते। झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी सरमा दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे हैं। सरमा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पार्टी के पूर्व झारखंड अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा, हर कोई जानता है कि चीन को कौन बढ़ावा देता है। सरमा को इस तरह के बयान देकर देश के लोगों को गुमराह नहीं करना चाहिए। उन्हें पहले अपने अंदर झांकना चाहिए। ज्ञात रहे कि रविवार को डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान गांधी ने जोर देकर कहा कि भारत, अमेरिका और पश्चिम के अन्य देश बेरोजगारी की समस्या का सामना कर रहे हैं, जबकि चीन ऐसा नहीं कर रहा है, क्योंकि वह वैश्विक उत्पादन पर हावी है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने यह भी कहा कि भारत में कौशल की कोई कमी नहीं है और अगर देश उत्पादन के लिए खुद को तैयार करना शुरू कर दे तो वह चीन से प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

पश्चिम बंगाल में आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नहीं माना, आंदोलन जारी रहेगा

नई दिल्ली ।

पश्चिम बंगाल में आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने काम पर लौटने सी इनकार कर दिया है। इस सम्बन्ध में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की अवज्ञा करते हुए डॉक्टरों ने कहा कि वे अपनी मांगें पूरी होने और आरजी कर अस्पताल घटना की पीड़िता को न्याय मिलने तक ड्यूटी पर नहीं जाएंगे। ज्ञात रहे कि सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन पहले, प्रदर्शनकारी रेजिडेंट डॉक्टरों को मंगलवार शाम पांच बजे तक काम पर लौटने का निर्देश देते हुए कहा था कि ऐसा करने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कहा है कि हमारी मांगें पूरी नहीं होने के कारण हम काम बंद रखेंगे। हमने राज्य सरकार को कोलकाता पुलिस आयुक्त, स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को शाम पांच बजे तक पद से हटाने को कहा था। हम चर्चा के लिए तैयार हैं। लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करने के एक सप्ताह बाद, सैकड़ों जूनियर चिकित्सकों ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन की ओर मार्च किया और आर जी कर अस्पताल में बलात्कार एवं हत्या की पीड़िता चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की। इसके साथ ही प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने मामले में कोलकाता के पुलिस आयुक्त एवं कई स्वास्थ्य अधिकारियों के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारी डॉक्टर पिछले सप्ताह लालबाजार में रीढ़ की हड्डी का मॉडल लेकर गए थे। इस बार प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने साल्ट लेक के सेक्टर-5 में पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय की ओर मार्च करते हुए झाड़ू और मस्तिष्क का मॉडल दिखाया।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ने 51 डॉक्टरों को नोटिस जारी किया है और उन्हें 11 सितंबर को जांच समिति के समक्ष पेश होने के लिए कहा है। अस्पताल के अधिकारियों द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि उन्हें समिति के समक्ष अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी। आरजी कर अस्पताल की विशेष परिषद समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, उन 51 डॉक्टरों के लिए संस्थान के परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित है, जब तक कि जांच समिति द्वारा उन्हें नहीं बुलाया जाता।

अस्पताल के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस में कहा गया है इन डॉक्टरों के कॉलेज की गतिविधियों में भाग लेने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। सूची में वरिष्ठ रेजिडेंट, हाउस स्टाफ, इंटर्न और प्रोफेसर शामिल हैं।

दोस्त यूएई से समझौता.....देश में नहीं होगी कच्चे तेल की कमी

नई दिल्ली ।

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने अपनी पहली भारत यात्रा के दौरान देश को बड़ी सौगात दी है। दोनों देशों ने ऊर्जा सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है। इस दौरान भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान क्राउन प्रिंस ने रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने जोर दिया।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में समझौता

भारत और यूएई परमाणु ऊर्जा और पेट्रोलियम के क्षेत्र में सहयोग और बढ़ाएंगे। चार समझौतों में पहला अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच दीर्घकालिक एलएनजी आपूर्ति का समझौता है। दूसरा अमीरात परमाणु ऊर्जा कंपनी और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड के बीच हुआ है। इसके तहत यूएई के बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र का संचालन और रख-रखाव होगा। तीसरा समझौता इंडिया स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड के बीच हुआ। चौथे समझौते के तहत ऊर्जा भारत और एडीएनओसी के बीच अबू धाबी ऑनशोर ब्लॉक-1 के लिए उत्पादन रियायत समझौता पर भी दोनों देशों ने हस्ताक्षर किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि रियायत ऊर्जा भारत को देश में कच्चा तेल लाने का अधिकार प्रदान करेगा। इस समझौते से देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान मिलेगा।

गुजरात में फूड पार्क स्थापित करेगा यूएई

इतना ही नहीं यूएई गुजरात में एक फूड पार्क स्थापित करेगा। इसके लिए गुजरात सरकार और अबू धाबी डेवेलपमेंटल होल्डिंग कंपनी पीजेएसी के बीच अलग से एक समझौता हुआ है।

इसके पहले विदेश मंत्रालय ने बताया कि शेख खालिद बिन जायद अल नाहयान 8 सितंबर को अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने क्राउन प्रिंस का स्वागत किया।

फरवरी में पीएम मोदी पहुंचे थे यूएई

बता दें कि इसी साल फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई का दौरा किया था। उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा और आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

जल्द ही लिथियम-आयन बैटरी निर्यात करेगा भारतःगडकरी

मुंबई ।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत जल्द ही लिथियम-आयन बैटरी निर्यात करने की स्थिति में आ जाएगा। रिचार्जेबल बैटरी जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए आवश्यक हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि ईवी वृद्धि के आंकड़े काफी उत्साहजनक और ये भारत ऑटोमोबाइल ताकत को दिखाते हैं।मंगलवार को सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 64वें सम्मेलन में गडकरी ने उम्मीद जाहिर कि 2030 तक ईवी बाजार में 1 करोड़ की बिक्री होगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2030 तक ईवी फाइनेंस बाजार 5 लाख करोड़ रुपये का होगा। गडकरी ने कहा कि वे पेट्रोल और डीजल के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन मेरा मानना है कि लोगों को प्रदूषण से सुरक्षा की जरूरत है। गडकरी स्वच्छ ईंधन पर जोर देने और वाहन निर्माताओं से ईवी और हाइड्रोजन पर ध्यान देने का आग्रह करने के लिए जाने जाते हैं। गडकरी ने उद्योग से नई तकनीक अपनाने और पेट्रोल और डीजल के बारे में चिंता न करने का आग्रह किया।पिछले सप्ताह गडकरी ने कहा था कि बहुत जल्द देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए किसी और सब्सिडी की जरूरत नहीं होगी।

पिछले सप्ताह गडकरी ने कहा था कि लिथियम-आयन बैटरी की कीमत जो पहले 150 डॉलर प्रति किलोवाट प्रति घंटा हुआ करती थी, अब घटकर 107-108 डॉलर प्रति किलोवाट प्रति घंटा रह गई है।उन्होंने कहा था कि पांच कंपनियों ने लिथियम-आयन बैटरी का निर्माण शुरू कर दिया है और अगले कुछ वर्षों में इसकी कीमत कम होकर 90 डॉलर प्रति किलोवाट प्रति घंटा रह जाएगी। डीजल और पेट्रोल वाहनों और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत बराबर होगी, लेकिन बिजली की कीमत जीवाश्म ईंधन से 10 गुना कम होगी।

राष्ट्रपति ने लिया बीजेपी के पत्र पर संज्ञान, क्या दिल्ली में लगेगा राष्ट्रपति शासन?

नई दिल्ली ।

राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू ने दिल्ली की आम आदमी सरकार को बर्खास्त करने की मांग करने संबंधी दिल्ली बीजेपी की अपील को गृह मंत्रालय के पास भेज दिया है। इस संबंध में दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि संविधान के कथित उल्लंघन के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को बर्खास्त किए जाने की मांग बीजेपी के विधायकों द्वारा राष्ट्रपति को सौंपा गया ज्ञापन गृह मंत्रालय को भेज दिया गया है। विजेंद्र ने दावा किया है कि दिल्ली सरकार द्वारा छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन नहीं करना और कैग रिपोर्ट पर कार्रवाई न करना संविधान का उल्लंघन है।

बता दें कि बीजेपी विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 30 अगस्त को राष्ट्रपति से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा था जिसमें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के जेल में होने के कारण दिल्ली में उत्पन्न संवैधानिक संकट के बीच तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था।

विजेंद्र ने राष्ट्रपति सचिवालय से प्राप्त पत्र को साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए उसे गृह सचिव को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि गृह सचिव से इस मामले पर तत्काल और उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

दुनिया में सबसे अधिक रोजगार देने वाला देश भारत

मुंबई ।

कैलंडर वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में वैश्विक स्तर पर भारतीय कॉरपोरेट जगत में नियुक्ति की धारणा मजबूत है। कंपनियां देश की आर्थिक स्थिति को लेकर उत्साहित हैं। इसके बाद 37 प्रतिशत नियोक्ता अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण 2024 चौथी तिमाही के अनुसार, भारत में शुद्ध रोजगार परिदृश्य 37 प्रतिशत के साथ दुनिया भर में सबसे मजबूत है। भारत के बाद कोस्टा रिका 36 प्रतिशत और अमेरिका 34 प्रतिशत के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। शुद्ध रोजगार परिदृश्य (एनईओ) की गणना कर्मचारियों की संख्या में कटौती की आशंका रखने वाले नियोक्ताओं के प्रतिशत से नियोक्ताओं को काम पर रखने की मंशा रखने वाले नियोक्ताओं के प्रतिशत को घटाकर की जाती है। चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के लिए भारत का रोजगार परिदृश्य 37 प्रतिशत रहा, जो तीसरी तिमाही से सात प्रतिशत अधिक है।

पिछले वर्ष की सामना अवधि की तुलना में यह अपरिवर्तित है।

सर्वेक्षण के अनुसार भारत का उत्तरी क्षेत्र 41 प्रतिशत की संभावना के साथ नौकरी की मांग में सबसे अधिक है। इसके बाद 39 प्रतिशत के साथ पश्चिमी क्षेत्र का स्थान है। भारत, सिंगापुर और चीन में रोजगार परिदृश्य मजबूत बना है। हांगकांग में नियोक्ता रोजगार को लेकर सबसे अधिक सतर्क रहे। सर्वेक्षण एक से 31 जुलाई 2024 के बीच मिले के जवाबों पर आधारित है। इसमें 42 देशों के 40,340 नियोक्ताओं से उनकी चौथी तिमाही की नियुक्ति संबंधी मंशा के बारे में सवाल किया गया था।

पूर्व गृहमंत्री सुशील शिंदे का खुलासाः कश्मीर जाने से डरता था

-कांग्रेस अध्यक्ष की मौजूदगी में दिया बयान

▸▸ भाजपा ने साधा निशाना
▸▸ देश की सुरक्षा इतनी मजबूत हो चुकी है कि अब बेखौफ होकर कश्मीर में बर्फ का आनंद ले रहे- गोयल

नई दिल्ली ।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के बीच पूर्व गृह मंत्री सुशील शिंदे अपने हालिया बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। मंगलवार को शिंदे ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान खुलासा किया कि वह गृह मंत्री रहते कश्मीर जाने से डरते थे। उनके इस बयान पर भाजपा ने निशाना साधते हुए कांग्रेस की कमजोर नीति की आलोचना की है।

शिंदे ने यह बयान अपनी पुस्तक फाइव डिकेड्स ऑफ पॉलिटिक्स के लॉन्चिंग इवेंट में दिया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दिग्विजय सिंह और शिक्षाविद विजय धर भी मौजूद थे। शिंदे ने कहा, जब मैं गृह मंत्री था, तब मैं जम्मू-कश्मीर के लाल चौक और डल झील जाने से डरता था।

- भाजपा का पलटवार

सुशील शिंदे के इस बयान पर भाजपा की तरफ से केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने प्रतिक्रिया दी। गोयल ने कहा, कांग्रेस की सरकार में देश के गृह मंत्री भी कश्मीर जाने से डरते थे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा इतनी मजबूत हो चुकी है कि अब विपक्ष के नेता भी बेखौफ होकर कश्मीर में बर्फ का आनंद ले रहे हैं। गोयल ने मोदी सरकार की सुरक्षा नीति की तारीफ करते हुए कहा कि अब कश्मीर में शांति का माहौल है, जिससे वहां बिना किसी डर के लोग आ-जा सकते हैं।

-शाह ने भी की थी टिप्पणी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर निशाना साधते हुए कहा था, कश्मीर में आतंकवाद के समय, कुछ नेता दिल्ली में जाकर कॉफी पीते थे और जब घाटी में शांति होती थी तो मुख्यमंत्री बन जाते थे। शाह ने कश्मीर में आतंकवाद से निपटने के प्रति कांग्रेस और अन्य पार्टियों के रवैये की आलोचना की थी और कहा कि मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाए हैं, जिससे घाटी में शांति स्थापित हो रही है।

उमर का वादाः 370 बहाल करेंगे

इस बीच, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। उमर ने वादा किया कि अगर उनकी सरकार बनी तो धारा 370 और 35 कोहीर से बहाल किया जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा और स्वायत्तता की बहाली सहित 12 गारंटियों की बात भी कही है। भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र को राष्ट्र विरोधी करार दिया है।

पटाखों की बिक्री पर पाबंदी....व्यापारियों ने आप के खिलाफ मोर्चा खोला

नई दिल्ली ।

सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंका और लोगों को इससे होने वाली दिक्कतों को देखकर दिल्ली सरकार ने सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उनके इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंध एक जनवरी, 2025 तक लागू रहेगा। इस दौरान पटाखों की ऑनलाइन बिक्री व डिलीवरी पर भी प्रतिबंध रहेगा। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि प्रतिबंध को कड़ाई से लागू कराने के लिए दिल्ली पुलिस, डीपीसीसी और राजस्व विभाग के साथ मिलकर संयुक्त कार्य योजना बनाई जाएगी। सरकार ने पिछले साल भी सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए पटाखों के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था। राय ने कहा, सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण बढ़ने का खतरा रहता है। इस मौसम में पटाखों को जलाने से भी प्रदूषण बढ़ता है। इससे लोगों को प्रदूषण से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार नहीं चाहती कि व्यापारियों और डीलरों को किसी तरह का आर्थिक नुकसान हो। इसलिए समय रहते हर प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। दिल्ली में पिछले वर्ष दिवाली पर वायु गुणवत्ता आठ साल में सबसे बेहतर दर्ज की गई थी। इससे लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि पटाखों व आतिशबाजी पर रोक के बावजूद राजधानी में शाम होते-होते आतिशबाजी शुरू हो गई। इससे कई इलाकों में एक्यूआई 300 के आसपास पहुंच गया था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल दिवाली पर एक्यूआई 312 था। 2016 में यह 431 दर्ज किया गया था।सरकार पटाखे बैन करके अपना पल्ला झाड़ लेती है:पप्पाआप सरकार द्वारा पटाखे की बिक्री और चलने पर रोक को लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि नेताओं की रैलियां में वह हर जगह पटाखे चला सकते हैं मगर जब दिवाली या अन्य त्यौहार आते हैं, तब पटाखों पर बैन लगा दिया जाता है। इस लेकर व्यापारियों में काफी रोष है। जबकि अन्य राज्यों से दिल्ली में पटाखे लाकर खुलेआम चलाए जाते हैं।

पम्मा ने कहा, बड़े दुख की बात है कि दिल्ली सरकार या दिल्ली नगर निगम ने पॉल्यूशन को रोकने के लिए कोई भी कदम नहीं उठाए, मगर पटाखे बैन करके अपनी जिम्मेवारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश की जा रही है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को लेकर अफवाह फैलाने पर केस दर्ज

अहमदाबाद ।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे विराट प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को लेकर अफवाह के मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई है। दरअसल नर्मदा जिले के केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को लेकर एक्स पर तस्वीर पोस्ट की गई थी। तस्वीर के साथ ही लिखा था 'कभी भी गिर सकती है, दरार पड़ना शुरू हो गई है।' यह पोस्ट एक्स पर **RaGa For India** नामक यूजर की ओर से 9 सितंबर को की गई थी।इस तस्वीर में एक और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की पूरी फोटो है और दूसरी में पैर का हिस्सा बताया गया है, जिसमें दरार नजर आ रही है।हालांकि यह तस्वीर फर्जी है। दूसरी ओर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में दरार की खबर आग की तरह सोशल मीडिया पर फैल गई और लोगों की प्रतिक्रिया सामने आने लगी। एक यूजर ने कहा इसी तस्वीर को साझा कर लिखा **'स्टैच्यू पर स्पेस टेक्नोलोजी का असर।'**इस घटना को लेकर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी प्राधिकरण ने एसओयू सुरक्षा पुलिसस्टेशन में झूठी अफवाहें फैलाने के लिए एक्स खाताधारक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। यह शिकायत एसओयू के डिप्टी कलेक्टर अभिषेक सिन्हा ने शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में झूठी खबरें फैलाकर लोगों में डर पैदा करने, शांति भंग करने की कोशिश करने, लोगों को गुमराह करने के लिए गलत प्रचार करने जैसे कृत्यों का जिक्र है। एक्स खाताधारक भारतीय न्यायिक संहिता की धारा 353(1)(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

झुग्गी बस्ती इलाके में लगी भीषण आग, 11 गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली। झुग्गी से बड़े स्तर पर धुआं निकलता देखा गया और कुल 11 दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अग्निशामकों द्वारा आग बुझा दी गई। आगे की जांच फिलहाल जारी है।फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के मदनपुर खादर इलाके के कंचन कुंज में एक झुग्गी बस्ती में बीती रात आग लग गई।उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने कहा कि हमारे रिकॉर्ड के अनुसार, यहां आग सुबह 6:55 बजे लगी। यह एक वाणिज्यिक गोदाम-सह-शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है। एक एलपीजी सिलेंडर में भी विस्फोट हुआ। कुल 24 आग लगी। मौके पर वाहन पहुंच गए हैं। आग पर काबू पा लिया गया है और हम कुछ देर में आग पर काबू पा लेंगे। ऐसी ही एक घटना में बाहरी दिल्ली के बकरवाला इलाके में एक कपड़ा फैक्ट्री में आग लग गई थी। उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी एम के चट्टोपाध्याय ने बताया कि आग एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट के कारण फैली और इस पर काबू पा लिया गया है।

हरियाणा चुनाव : आप की नौ प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी

नई दिल्ली । हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में नौ प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया गया है। अब तक आप के कुल 29 प्रत्याशियों घोषित किए जा चुके हैं। आप की पहली सूची सोमवार को आई थी, इसमें आम आदमी पार्टी ने 20 प्रत्याशियों का ऐलान किया था। हरियाणा में कुल 90 सीटों पर चुनाव होना हैं। यहां एक ही चरण में पांच अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे और आठ अक्टूबर को परिणाम घोषित होंगे।

सांसद राशिद को अंतरिम जमानत

टेरर फंडिंग मामले में 2019 से हैं जेल में

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने टेरर फंडिंग मामले में 2019 से जेल में बंद लोकसभा सांसद इंजीनियर राशिद को 2 अक्टूबर तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। बताते चलें कि राशिद जेल में रहते हुए ही जम्मू-कश्मीर के बारामूला सीट से 2024 लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कर चुके हैं। इंजीनियर राशिद जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग के आरोप के चलते ऊपा (यूएपीए) के तहत 2016 में अरेस्ट किए गए थे। इसके बाद उन्हें 2019 में तिहाड़ जेल भेज दिया गया। अब दिल्ली की अदालत ने उन्हें 2 अक्टूबर तक के लिए अंतरिम जमानत दी है।

अजित पवार ने पुणे में सड़क दुर्घटना में घायल व्य क्ति की सहायता की

मुम्बई । सद्भावना के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मंगलवार की सुबह सड़क दुर्घटना में घायल हुए एक व्यक्ति की सहायता के लिए अपना काफिला रोका। यह घटना मंगलवार की सुबह 6:45 बजे पुणे के सर्किट हाउस के पास हुई। वीडियो में पवार को पीड़ित को सांत्वना देते हुए देखा जा सकता है, जिसे दोपहिया वाहन से टक्कर मार दी गई थी और वह सुनिश्चित करते हुए कि घायल व्यक्ति को आवश्यक सहायता मिले। जब पवार का काफिला रास्ते में था, तो वह दुर्घटना के दृश्य पर पहुँचा, जहां एक व्यक्ति घायल पाया गया था। पवार और उनकी टीम ने तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए रुक गए। उपमुख्यमंत्री, अपने निजी सुरक्षा अधिकारियों के साथ, पीड़ित से बात करते, उसकी चोटों के बारे में पूछते और उसे पानी देते हुए देखे गए। उपमुख्यमंत्री के कार्यों ने नेतृत्व के महत्व को रेखांकित किया जो राजनीतिक कर्तव्यों से परे सामुदायिक सेवा तक फैला हुआ है।

रीवा एयरपोर्ट विंध्य क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा:सीएम

भोपाल । मध्यप्रदेश के विंध्य क्षेत्र में स्थित रीवा हवाईअड्डे को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) का लाइसेंस मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि इससे प्रदेश के आर्थिक विकास को गति मिलेगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश के ध्येय अंतर्गत रीवा हवाईअड्डा विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा, जहां से यात्री उड़ानों के साथ ही मालवाहक उड़ानों के परिचालन शुरू करने का आधिकारिक लाइसेंस मिल गया है। उन्होंने कहा कि इस हवाईअड्डे से रीवा के विभिन्न सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और पर्यटन के क्षेत्र में भी विस्तार होगा।

एक और साजिश हुई नाकाम,राजस्थान में पटरियों पर मिले भारी भरकम सीमेंट ब्लॉक

अजमेर ।

ट्रेनों को पलटने उनमें धमाके करने जैसे घातक मंसूबे लगातार सामने आ रहे हैं। इस तरह के प्रयास बीते एक हफ्ते में कई बार हुआ है। लेकिन सूझबूझ के चलते इन्हे विफल कर दिया गया। हाल ही में उत्तर प्रदेश के कानपुर के बाद राजस्थान में भी ट्रेन पलटने की साजिश नाकाम हुई है। राजस्थान के अजमेर में मालगाड़ी से टक्कर के बाद रेलवे पटरी पर भारी-भरकम दो सीमेंट ब्लॉक बरामद किए गए हैं। रेलवे ट्रैक पर एक किलोमीटर तक की दूरी में दोनों सीमेंट ब्लॉक रखे गए थे। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।ट्रैक पर सीमेंट ब्लॉक होने की जानकारी मिलने के बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। डीएफसीसी और आरपीएफ ने मिलकर सघाना से बांगड़ ग्राम स्टेशन तक पेट्रोलिंग की। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि किसने ट्रैक पर इतने बड़े ब्लॉक को रखा। ट्रेन पलटने की यह साजिश डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के फुलेरा-अहमदाबाद रूट पर की गई थी। सरधना और बांगर ग्राम स्टेशन के सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे एक मालगाड़ी का इंजन ब्लॉक टकराया। गनीमत रही कि टक्कर से यह ब्लॉक टूट गया और ट्रेन सुरक्षित गुजर गई। टूटे हुए ब्लॉक का वजन करीब 70 किलोग्राम बताया जा रहा है। करीब एक किलोमीटर दूर ट्रैक के किनारे दूसरा सीमेंट ब्लॉक भी बरामद हुआ है। इस मामले में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन (डीएफसीसी) कर्मचारी रवि बुंदेला और विश्वजीत दास ने एफआईआर दर्ज करवाई है। अजमेर के मंगालियावास पुलिस थाने में रेलवे ऐक्ट और प्रिवेंशन ऑफ डेमेज को पब्लिक प्रॉपर्टी ऐक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।एफआईआर के मुताबिक 8 सितंबर की रात 10:36 बजे सूचना मिली कि ट्रैक पर सीमेंट का ब्लॉक रखा हुआ है। मौके पर पहुंचे तो पाया कि वह टूट कर गिरा हुआ है।

राहुल गांधी के बयान से साफ.....आरक्षण-विरोधी हैं कांग्रेस

मायावती का आरोप अमेरिका में राहुल ने सच कह दिया

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की अध्यक्ष मायावती ने आरक्षण खत्म करने को लेकर टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला कर कहा कि राहुल गांधी के इस बयान से स्पष्ट है कि उनकी पार्टी वर्षों से अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण खत्म करने की साजिश में गुपचुप तरीके से लगी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों से संवाद कार्यक्रम में भारत में आरक्षण कब तक जारी रहेगा, इस पर राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण खत्म करने के बारे में तब सोचेगी, जब भारत में आरक्षण के लिहाज से निष्पक्षता होगी लेकिन अभी ऐसा नहीं है।

मायावती ने कहा, ''केन्द्र में लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी नीत सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लागू नहीं किया और ना ही देश में जातीय जनगणना होने दी।

अब कांग्रेस (जातिवार जनगणना) का मुद्दा सत्ता में आने के सपने देख रही है। इनके इस नाटक से सचेत रहें जो भविष्य में कभी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी।मायावती ने कहा, ''अब कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी के इस नाटक से भी सतर्क रहें, जिसमें उन्होंने विदेश में कहा है कि भारत जब बेहतर स्थिति में होगा तब हम एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस वर्षों से इनके आरक्षण को खत्म करने के षड्यंत्र में लगी है। उन्होंने कहा, इन वर्गों के लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दिए गए घातक बयान से सावधान रहें, क्योंकि यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आते ही, अपने इस बयान की आड़ में इनका आरक्षण जरूर खत्म कर देगी।

ये लोग संविधान व आरक्षण बचाने का नाटक करने वाली इस पार्टी से जरूर सजग रहें।मायावती ने कहा, सचाई सिर्फ इतना है कि कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण-विरोधी सोच की रही है। केंद्र में कांग्रेस सरकार में जब आरक्षण का कोटा पूरा नहीं किया गया तब कांग्रेस पार्टी से इस वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी) के लोगों को इंसाफ नहीं मिल पाने की वजह से ही बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लोग सावधान रहें। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, जब तक देश में जातिवाद जड़ से खत्म नहीं हो जाता है तब तक भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने के बावजूद इन वर्गों के लोगों की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक हालत बेहतर होने वाली नहीं है। इसलिए जातिवाद के समूल नष्ट होने तक आरक्षण की सही संवैधानिक व्यवस्था जारी रहना जरूरी।

सरकार ने घटाया जीएसटी, अब हेलिकॉप्टर से तीर्थयात्रा और होगी सस्ती

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार की जीएसटी काउंसिल ने हेलिकॉप्टर से सीट शेयरिंग बेसिस पर होने वाली यात्रा पर जीएसटी की दर को घटाकर पांच फीसदी कर दिया है। हेलिकॉप्टर से चार्टर्ड यात्रा पर 18 फीसदी जीएसटी लगता रहेगा। सरकार का यह फैसला करोड़ों श्रद्धालुओं को राहत पहुंचा सकता है, खासकर बुजुर्ग नागरिकों के लिए जिनकी तीर्थयात्रा हेलिकॉप्टर से आसान से पूरी हो जाती है। देश में कई तीर्थस्थलों पर हेलिकॉप्टर से आना-जाना होता है। इनमें माता वैष्णोदेवी, केदारनाथ, गंगोत्री और अमरनाथ यात्रा शामिल हैं। इन पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में कड़ाके की ठंड के बीच बुजुर्गों के लिए पैदल यात्रा करना आसान नहीं होता है।तीर्थस्थलों पर हेलिकॉप्टर से शेयरिंग बेसिस पर पांच फीसदी जीएसटी लगाने के फैसले के बाद रेवेन्यू सेक्रेटरी का कहना है कि किसी खास तीर्थस्थल के लिए हेलिकॉप्टर सर्विस पर चर्चा नहीं हुई। वहीं, डीजीसीए की ओर से मंजूर फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन के फ्लाइंग ट्रेनिंग कोर्सेज पर जीएसटी नहीं लगाया गया है। **माता वैष्णोदेवी** में कटरा से साझीछत तक हेलिकॉप्टर सर्विस का किराया 2100 रुपए है। वहीं, एक ही दिन में आने-जाने का खर्च 4420 रुपए है। यह किराया हिमालयन हेलि सर्विसेज का है। माता वैष्णोदेवी में ग्लोबल वेक्ट्रा हेलिकॉप्ट भी सर्विस मुहैया कराती है। इस ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर हेलिकॉप्टर सर्विस के लिए बुकिंग की जा सकती है। शीट शेयरिंग बेसिस पर हेलिकॉप्टर यात्रा पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी किया गया है इसलिए 2100 रुपए के बजाय अब श्रद्धालुओं को कम पैसे चुकाने होंगे।

रामेश्वरम कैफे मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल

नई दिल्ली।

एनआईए ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। गत एक मार्च को बेंगलुरु के ब्रुकफील्ड में रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए थे और संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा था। एनआईए ने मामले की जांच अपने हाथ में ली और राज्य पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ जांचे की। जांचकर्ताओं ने दावा किया कि शाजिब ने बम लगाया था और वह ताहा के साथ अल-हिंद मॉड्यूल के पर्दाफास होने के बाद 2020 से भाग रहा था। इन्हें विस्फोट के 42 दिन बाद पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के शाजिब और ताहा दोनों कथित तौर पर आईएसआईएस समर्थक थे और विचारधारा में दूसरों को भर्ती करने में भी शामिल थे। उनके साथी माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ भी इसमें शामिल थे।पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने भारत और बांग्लादेश से धोखाधड़ी से सिम कार्ड, बैंक खाते और पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जिनमें से कुछ डार्क वेब से डाउनलोड किए गए थे। एनआईए ने दावा किया है कि ताहा को बेंगलुरु में लश्कर-ए-तैयबा साजिश मामले से जुड़े एक हैंडलर शहीद फैसल से मिलवाया था। गु्प को कथित तौर पर क्रिप्टोकरेंसी के जरिए से वित्त पोषित किया गया था जिसे ताहा ने टेलीग्राम आधारित प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करके फिएट मुद्रा में परिवर्तित कर दिया था। एनआईए ने कहा कि इस धमराशि का इस्तेमाल बेंगलुरु में हिंसक वारदातों के लिए किया गया था जिसमें 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन मल्लेश्वरम में राज्य बीजेपी दफ्तर पर एक असफल आईईडी हमला भी शामिल था। इस असफल प्रयास के बाद आरोपियों ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया।

मामले में जांच चल रही है।

उत्तराखंड में जल्द होगा मंत्रिमंडल का विस्तार, तीन या चार विधायक बनेंगे मंत्री

देहरादून।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मंत्री मंडल में तीन या चार विधायकों को मंत्री मनाया जा सकता है। कहा यह भी जा रहा है कि हाईकमान के निर्देश पर फेरबदल जैसा कदम भी उठाया जा सकता है। चर्चा तो यहां तक है कि इस सबको लेकर गहन मंथन चल रहा है और पितृपक्ष शुरू होने से पहले मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। पितृपक्ष 17 सितंबर से प्रारंभ होने जा रहा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री धामी की टीम के सदस्यों की संख्या मुख्यमंत्री समेत आठ है, जबकि संवैधानिक प्रविधान के मुताबिक यहां अधिकतम 12 सदस्यीय मंत्रिमंडल हो सकता है।वर्ष 2022 में जब लगातार दूसरी बार भाजपा सत्ता में आई, तब धामी मंत्रिमंडल में कुल नौ सदस्य शामिल किए गए और तीन स्थान रिक्त रखे गए।पिछले वर्ष कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास के निधन के कारण एक अन्य स्थान रिक्त हो गया। मंत्रिमंडल का आकार छोटा होने के कारण कई बार विस्तार की चर्चा चली, लेकिन अलग-अलग कारणों से यह विषय टलता रहा। अब जबकि निकट भविष्य में राज्य में केदारनाथ विधानसभा सीट के उपचुनाव के साथ ही नगर निकाय व त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनाव होने हैं, राजनीति के गलियारों में मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं। पिछले दिनों भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने संकेत दिए थे कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री की अब केंद्रीय नेतृत्व के साथ एक दौर की बैठक और होनी है। इसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के जब भी दिल्ली दौरे होते हैं तो मंत्रिमंडल विस्तार का विषय चर्चा के केंद्र में रहता है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा ने फिर जोर पकड़ा है।

संसद सुरक्षा चूक मामले में फैसला सुरक्षित.....11 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली ।

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने संसद सुरक्षा चूक मामले में आरोपी नीलम आजाद की जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर ने फैसले को सुरक्षित रख कर मामले की सुनवाई के लिए 11 सितंबर, 2024 मुकर्रर की है।

दिल्ली पुलिस के वकील ने याचिका का विरोध कर अदालत में कहा कि नीलम ने उन पांच बैठकों में से तीन में भाग लिया था, जिनमें पूरे कृत्य की योजना बनाई गई थी। संसद में यह कोई सामान्य दिन नहीं था। 2001 में भी ठीक इसी दिन संसद पर हमला हुआ था और इसी दिन इन लोगों ने अपने कृत्य को अंजाम दिया।

क्या किसी हमले को केवल तभी आतंकवादी हमला माना जा सकता है, जब संसद में कोई व्यक्ति मारा जाए? उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला होने के नाते नीलम को कानूनी एजेंसियों को सूचित करना चाहिए था।

अगर ये लोग इतने निर्दोष थे, तब उन्होंने अपना मोबाइल क्यों नष्ट कर दिया? मनोरंजन ने अपने लैपटॉप से पूरा डेटा हटा दिया है।

वहीं, नीलम आजाद के वकील ने कहा कि नीलम कोई साजिशकर्ता नहीं थी। वह संसद के बाहर थी। नीलीम मनोरंजन डी से यह भी कहा था कि वह संसद में प्रवेश नहीं करेगी। उसके पास केवल एक कनस्तर था... कनस्तर ले जाना कोई आतंकवादी गतिविधि नहीं है।

यहां तक कि धुआं भी खतरनाक नहीं था। मामले में कोई हताहत नहीं हुई।

नीलम का ऐसा कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। वह 9 महीने से सलाखों के पीछे है। मुकदमे में लंबा समय लगेगा, वह मुख्य आरोपी नहीं है। मामले में 133 गवाह हैं, पर कोई भी स्वतंत्र गवाह नहीं है। यूएपीए इस देश के उन युवाओं के लिए नहीं है जो अपनी आवाज उठाना चाहते हैं।

बता दें कि पिछले साल शीतकालीन सत्र के दौरान 13 दिसंबर को आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन शून्यकाल के वक्त विजिटर गैलरी से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे। इसके बाद उन्होंने रंगीन स्मोक कैन छोड़कर नारेबाजी की। दिल्ली पुलिस ने लोकसभा सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। मामले की जांच बाद में संसद मार्ग थाने से नई दिल्ली के पीएस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट को सौंप दी गई।

पुलिस ने मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है , मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे, नीलम आजाद, ललित झा और महेश कुमावत जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

आयुष पीजी काउंसिलिंग के लिए पंजीयन शुरू, 16 सितंबर है अंतिम तिथि

नई दिल्ली ।

केंद्रीय आयुष प्रवेश परामर्श समिति (एएसीसी) की ओर से ऑल इंडिया आयुष पीजी एडमिशन के लिए काउंसिलिंग शेड्यूल जारी कर दिया गया है। शेड्यूल के लिए अनुसार आयुष पीजी काउंसिलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन आज यानी 10 सितंबर 2024 से शुरू कर दिए जाएंगे। पंजीकरण एवं फीस जमा करने की लास्ट डेट 16 सितंबर 2024 तय की गई है। पंजीकरण करने के साथ उम्मीदवारों को 2000 रुपये काउंसिलिंग फीस के रूप में जमा करना होगा। एससी/एसटी वर्ग के लिए फीस 1000 रुपये तय की गई है। डीम्ड यूनिवर्सिटी एवं ऑल इंडिया प्राइवेट कोटा की सीटों पर पंजीकरण करने के लिए आपको 5000 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके साथ ही उम्मीदवारों को सिक्योरिटी फीस के रूप में 10000 रुपये जमा करनी होगी। डीम्ड यूनिवर्सिटी एवं ऑल इंडिया प्राइवेट कोटा की सीटों पर सिक्योरिटी फीस के रूप में 50000 रुपये का भुगतान करना होगा।

AYUSH PG Counselling

जो भी अभ्यर्थी काउंसिलिंग में भाग लेना चाहते हैं वे तय तिथियों के अंतर्गत ऑनलाइन माध्यम से एएसीसीसी की ऑफिशियल वेबसाइट जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। पंजीकरण शुरू होते ही इस पेज पर भी डायरेक्ट लिंक उपलब्ध करवा दिया जायेगा। आयुष पीजी काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा के लिए जारी किया गया एडमिट कार्ड,स्कोर कार्ड, बीएएमएस/बीयूएमएस/बीएसएमएस/ बीएचएमएस मार्कशीट एवं डिग्री सर्टिफिकेट, परमानेंट/ प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट/ वैलिड पहचान पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों को तैयार कर लें।

संक्षिप्त समाचार

सूखे की चपेट में पोलैंड, सबसे लंबी नदी का जलस्तर रिकॉर्ड सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड में सूखे के हालात गंभीर होते जा रहे हैं। राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने बताया है कि पोलैंड की सबसे लंबी नदी विस्तुला रविवार को लगभग सूख गई है। सूखे के कारण राजधानी में इसका जलस्तर रिकॉर्ड निम्न जल स्तर पर पहुंच गया है। इतना कम जलस्तर इस नदी में कभी भी नहीं देखा गया। ढ्ढस्रञ्ज्ञ मौसम संस्थान के मुताबिक, वारसॉ के एक मापक स्टेशन पर इसका स्तर 25 सेंटीमीटर (10 इंच) तक गिर गया। यह पिछले रिकॉर्ड से एक सेंटीमीटर अधिक है। संस्थान ने एक्स पर कहा कि यह 2015 से भी बदतर है। पानी का कम होना जारी है। नदी का जलस्तर घटता ही जा रहा है। जल विज्ञानी ग्रेजगोरज वालिजेव्स्की ने पिछले सप्ताह बताया कि पोलैंड की अधिकांश नदियां सूख रही हैं। सब पर सूखे की मार पड़ रही है। हम पोलैंड में कुछ समय से सूखे से जूझ रहे हैं। 2015 से लगातार सूखा पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन इसके लिए जिम्मेदार है। बर्फबारी कम हो रही है। सर्दी का मौसम भी हल्का ही पड़ रहा है। कम दिनों की बारिश और उच्च तापमान के कारण जल स्तर नीचे जाता जा रहा है। विस्तुला नदी 1,000 किलोमीटर (621 मील) से अधिक लम्बी नदी है। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में सबसे लम्बी नदी है। यह देश को दो भागों में विभाजित करती है और बाल्टिक सागर में गिरती है।

पाकिस्तान में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर शिक्षा आपातकाल की घोषणा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर देश में स्कूलों से वंचित 2.60 करोड़ बच्चों को शिक्षित करने के इरादे से 'शिक्षा आपातकाल की घोषणा की। सरकारी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान की खबर के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस कदम की घोषणा की और निजी क्षेत्र तथा नागरिक संगठनों से सरकार का सहयोग करने का आग्रह किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता शहबाज (72) ने शिक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने तथा सूचना के मामले में सबल एवं टिकाऊ राष्ट्र के लिए प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''हमने पूरे देश में शैक्षिक आपातकाल घोषित कर दिया है, छात्रों के लिए नामांकन अभियान शुरू किया है और स्कूलों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साक्षरता एक मौलिक मानवीय और संवैधानिक अधिकार है जो हमारे देश के भविष्य की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं है, बल्कि यह ''सशक्तीकरण, आर्थिक अवसरों और समाज में सक्रिय भागीदारी का प्रवेश द्वार है। इससे पहले मई में भी शहबाज शरीफ ने शिक्षा आपातकाल की घोषणा की थी और स्कूल न जाने वाले लगभग 2.60 करोड़ बच्चों को दाखिला दिलाने का संकल्प लिया था। संयुक्त राष्ट्र के निकाय यूनेस्को ने रेखांकित किया है कि विकासशील देशों में चार में से तीन बच्चे 10 वर्ष की आयु तक बुनियादी पाठ्य सामग्री को पढ़ या समझ नहीं सकते हैं, तथा विश्वभर में अब भी 75.4 करोड़ वयस्क निरक्षर हैं, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं।

सूडान में जारी गृहयुद्ध में अब तक 20 हजार लोगों की मौत

काहिरा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि सूडान में 16 महीने से अधिक समय से चल रहे युद्ध में 20,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। पूर्वोत्तर अफ्रीकी देश में विनाशकारी संघर्ष के बीच यह आंकड़े चौंकाने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने सूडान के लाल सागर के शहर पोर्ट सूडान में एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। पोर्ट सूडान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, सैन्य समर्थित सरकार की सीट के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सूडान में जारी युद्ध में मृतकों की संख्या अधिक हो सकती है। टेड्रोस ने सूडान की अपनी दो दिवसीय यात्रा के समापन के अवसर पर यह बात कही। टेड्रोस ने कहा, ''सूडान संकट के एक भयंकर तूफान से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, ''सूडान में आपातकाल जैसे हालात बेहद चौंकाने वाले हैं, तथा इस संघर्ष को रोकने के लिए की जा रही कार्रवाई भी अपर्याप्त है। पिछले वर्ष अप्रैल में सूडान में उस समय अराजकता फैल गई थी, जब सेना और एक शक्तिशाली अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच बढ़ते तनाव ने पूरे देश में एक युद्ध का रूप ले लिया था।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी पर घिरे बाइडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अगस्त, 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी का मुद्दा एक बार फिर से गरमा गया है। लंबे समय से जिस रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था, उसे अब रिपब्लिकन सांसदों ने अमेरिकी संसद की निचली सदन में पेश कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने रिपोर्ट जारी कर डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन की जमकर आलोचना की।

गैर-लड़ाकों को देरी से निकालने का लिया फैसला बता दें, अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी बेहद अफरा-तफरी में हुई थी। उस दौरान तालिबान ने वहां कब्जा जमा लिया था। अफगानिस्तान से अपनी वापसी को लेकर बाइडन प्रशासन को बार-बार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। अब रिपब्लिकन ने रिपोर्ट में तर्क दिया है कि प्रशासन ने गैर-लड़ाकों को निकालने का फैसला बहुत देर से लिया, औपचारिक रूप से इसका आदेश 16 अगस्त को दिया था। यहां तक कि अमेरिका और अफगानिस्तान के अधिकारियों के बीच बातचीत करने में तक नाकामयाब रहा। वहीं, देश छोड़ने के योग्य अफगान नागरिकों के प्रस्थान के लिए कागजी कार्रवाई में गड़बड़ी की गई।

तीन साल जांच करने बाद रिपोर्ट : यह रिपोर्ट एक शीर्ष हाउस रिपब्लिकन और हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष

माइकल मैककॉल के नेतृत्व में तीन साल तक की गई जांच का नतीजा है। इसमें कहा गया कि विश्व मंच पर अमेरिका की विश्वसनीयता को तब भारी नुकसान पहुंचा, जब हमने अफगान सहयोगियों को तालिबान के प्रतिशोध में हत्याओं के लिए छोड़ दिया। जबकि हमने अफगानिस्तान के लोगों की रक्षा का वादा किया था। इतना ही नहीं रिपोर्ट में बाइडन प्रशासन पर बड़ा आरोप लगाया गया है। कहा गया कि अमेरिका के दिग्गजों और अभी भी सेवा करने वालों को नैतिक चोट इस प्रशासन की विरासत पर एक दाग बनी हुई है।

पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव : गौरतलब, अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। डेमोक्रेटिक की ओर से उम्मीदवार कमला हैरिस हैं, जबकि रिपब्लिकन की ओर से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मैदान में उतारा गया है। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि बाइडन पहले डेमोक्रेट्स की ओर से चुनाव लड़ने वाले थे, लेकिन लगातार हो रहे विरोध के चलते उन्होंने अपने कदम पीछे ले लिए थे। उसके बाद से ही सियासत का पारा चरम पर है।

ट्रंप करते रहे हैं हमला : पिछले महीने रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप निकासी के दौरान मारे गए सैनिकों के सम्मान में एक समारोह में दिखाई दिए थे। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान भी अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना को वापस बुलाने पर राष्ट्रपति बाइडन और उपराष्ट्रपति हैरिस पर हमला बोला। साथ हीकाबुल हवाईअड्डे के एबी गेट पर हुई मौतों के लिए इन लोगों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया।

अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान ने किया था कब्जा 2015 में तालिबान ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण कुंडूज के इलाके पर कब्जा कर फिर से वापसी के संकेत दे दिए। ये ऐसा वक्त था जब अमेरिका में सेनाओं की वापसी की मांग जोर पकड़ रही थी।. अफगानिस्तान से अमेरिका की रूचि कम होती गई और तालिबान मजबूत होता गया। इसी के साथ पाकिस्तानी आतंकी संगठनों, पाकिस्तान की सेना और आईएसआई की खुफिया मदद से पाक सीमा से सटे इलाकों में तालिबान ने अपना बेस मजबूत किया। अमेरिका से लौटने की अपनी कोशिशों के तहत 2020 में अमेरिका ने तालिबान से शांति वार्ता शुरू की और दोहा में कई राउंड की बातचीत भी हुई। एक तरफ तालिबान ने सीधे वार्ता का रास्ता पकड़ा तो दूसरी ओर बड़े शहरों और सैन्य बेस पर हमले की बजाय छोटे-छोटे इलाकों पर कब्जे की रणनीति पर काम करना शुरू किया और आज इसका नतीजा सबके सामने है।

गोलीबारी के बाद इजरायल और जॉर्डन सीमा की चौकियां बंद

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल ने रविवार को घोषणा की कि उसने जॉर्डन के साथ अपनी सभी तीन सीमा चौकियों को बंद कर दिया है। क्योंकि एक सीमा चौकी पर सुबह कथित तौर पर तीन इजरायली सुरक्षा गार्डों की हत्या कर दी गई थी। इससे पहले रविवार को, इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि एक ड्राइवर एक ट्रक में जॉर्डन की ओर से जॉर्डन और कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बीच एक सीमा बिंदु एलएनबी ब्रिज के पास आया। वह अपने वाहन से बाहर निकला और इजरायली सुरक्षा गार्डों पर गोलियां चला दीं। इससे तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आईडीएफ ने कहा, हमलावर को इजरायली बलों ने मार गिराया। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने बताया कि प्रारंभिक संकेतों से पता चलता है कि बंदूकधारी जॉर्डन का नागरिक था। गोलीबारी के बाद, इजरायल एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एक बयान में कहा कि उसने एलएनबी ब्रिज को बंद कर दिया है, जिसे जॉर्डन में आधिकारिक तौर पर किंग हुसैन ब्रिज के रूप में भी जाना जाता है। साथ ही इजराइल के लाल सागर रिसॉर्ट शहर ईलाट और जॉर्डन के अकाबा के बीच वाडी अरबा क्रॉसिंग या यित्ज़ाक राबिन क्रॉसिंग और इजरायल के बेत शीआन व जॉर्डन के इरबिद के बीच जॉर्डन रिवर क्रॉसिंग या शेख हुसैन ब्रिज को भी बंद कर दिया है। समाचार एजेंसी शन्हिुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बंद करने का काम सुरक्षा अधिकारियों के निर्देशों के बाद किया गया। क्रॉसिंग को फिर से खोलने का समय नहीं बताया गया है। इसके अलावा रविवार को, जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय ने दूसरी ओर से शटडाउन के कारण अगली सूचना तक वेस्ट बैंक के साथ किंग हुसैन ब्रिज को बंद करने की घोषणा की। जॉर्डन की सरकारी पेट्रा समाचार एजेंसी ने निदेशालय के हवाले से कहा कि ब्रिज का यूज करने वाले लोगों को इसका पालन करना चाहिए।

केन्याई स्कूल में फिर लगी आग, दो दिन में तीसरी घटना

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में फिर एक स्कूल में आग लगने की घटना सामने आ रही है। यहां एक स्कूल का छात्रावास रविवार को जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि यह कुछ ही दिनों में तीसरी ऐसी घटना है। पुलिस के मुताबिक, मेरु के मध्य काउंटी में न्जिया बॉयज हाईस्कूल में एक छात्रावास में आग लगी। घटना उस समय हुई, जब जब छात्र भोजन कर रहे थे। गनीमत रही कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बयान में कहा गया कि लगभग 150 छात्रों वाला भवन पूरी तरह जलकर खाक हो गया, आग ने सब कुछ जला दिया। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इससे पहले पिछले गुरुवार को न्येरी काउंटी में हिलसाइड एंडाराशा अकादमी में एक छात्रावास में आग लगने से 21 लड़के मारे गए थे। घटना उस वक्त हुई थी, जब वे सो रहे थे। वहीं, शनिवार को देश के मध्य में स्थित इसियोलो काउंटी में एक लड़कियों के हाईस्कूल में भी आग लग गई थी। एक स्थानीय अधिकारी ने बतायाय था कि घटना में कई लोग घायल हुए थे। हालांकि, पुलिस का कहना था कि कोई भी घायल नहीं हुआ। इस बीच राष्ट्रपति विलियम रूटो ने कहा कि जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

दक्षिण कोरिया में डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश बढ़ाने की योजना वापस लेने की मांग की

सियोल, एजेंसी। डॉक्टरों के एक प्रमुख समूह ने रविवार को मांग की कि सरकार 2025 और 2026 के लिए मेडिकल स्कूल प्रवेश कोटा बढ़ाने की अपनी योजना को रद्द करे और 2027 या उसके बाद के लिए संभावित कोटा समायोजन पर चर्चा करे। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोरियाई मेडिकल एसोसिएशन (केएमए) के अधिकारियों ने यह कॉल तब की, जब सरकार ने पिछले हफ्ते कहा कि अगर डॉक्टरों का समुदाय उचित विकल्प प्रस्तुत करता है, तो वह 2026 के लिए योजना को संशोधित करने को तैयार है।

यूं सुक येओल प्रशासन ने डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए अगले पांच वर्षों में मेडिकल स्कूल प्रवेश कोटा प्रति वर्ष 2,000 सीटों तक बढ़ाने का संकल्?प लि?या है और जून में अगले वर्ष के लिए लगभग 1,500 छात्रों के कोटा बढ़ोतरी को अंतिम रूप दिया है। अधिकांश प्रशिक्षु डॉक्टर फरवरी से हड़ताल पर हैं। इससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुआ है।

केएमए के एक अधिकारी ने कहा, सरकार को 2025 और 2026 के लिए मेडिकल स्कूल की सीटें बढ़ाने की योजना को रद्द करना चाहिए और 2027 या उसके बाद संभावित समायोजन पर चर्चा करनी चाहिए। यह सरकार और पार्टियों के साथ एक संयुक्त सलाहकार निकाय में शामिल होने के लिए हमारी पूर्व शर्त है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमें उन्हें दोबारा अपना रुख बताने की जरूरत है,

क्योंकि हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारी वृद्धि बेतुकी है।

सरकार और सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी ने प्रतिद्वंद्वी दलों और चिकित्सा समुदाय को शामिल करते हुए एक संयुक्त सलाहकार निकाय की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा है। केएमए प्रमुख लिम ह्यून-ताएक ने शनिवार को एक ऑनलाइन पोस्ट में कहा कि सरकार और प्रतिद्वंद्वी दलों को मौजूदा चिकित्सा संकट को हल करने के लिए एक उचित, एकीकृत प्रस्ताव के साथ आने की जरूरत है।

सरकार ने कहा है कि अगले वर्ष के लिए कोटा वृद्धि योजना पर दोबारा विचार करना संभव नहीं है, क्योंकि कॉलेज प्रवेश के लिए प्रक्रियाएं पहले से ही चल रही हैं।

केएमए की मांग के जवाब में, राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले साल के लिए मेडिकल स्कूल में प्रवेश बढ़ाने का मुद्दा पहले ही तय हो चुका है। इससे इस पर चर्चा करना व्यावहारिक रूप से असंभव हो गया है। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि सरकार विशिष्ट संख्या से बंधे बिना 2026 के बाद से संभावित वृद्धि पर चर्चा करने के लिए तैयार है। अधिकारी ने कहा, हालांकि 2026 से शुरू करके 2025 के लिए बदलाव नहीं किए जा सकते हैं, अगर चिकित्सा समुदाय उचित आधार पेश करता है, तो हम संख्या पर किसी प्रतिबंध के बिना इस मामले पर चर्चा कर सकते हैं।

अब सभी मुस्लिम देशों को एकजुट होना होगा: तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन ने इस्लामिक देशों को एकजुट होने का संदेश दिया है। एर्दोगन ने ये अपील इजरायल के बढ़ते दबदबे को लेकर की है। उन्होंने कहा कि अगर इजरायल को रोकना है तो हमें एकजुट होना होगा। इस्लामिक देशों का एक गठबंधन बनाना होगा तुर्किये के राष्ट्रपति ने आगे कहा कि इजरायल के विस्तारवाद के बढ़ते खतरे के खिलाफ एक गठबंधन बनाना चाहिए, जिस पर इजरायल के विदेश मंत्री ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। तुर्किये की महिला की हत्या के बाद बवाल दरअसल, ये सारा बवाल तब मचा जब ये आरोप लगाया गया कि इजरायली सैनिकों ने शुक्रवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाली एक तुर्किये-अमेरिकी महिला की हत्या कर दी। इजरायली अहंकार से अब सभी को खतरा इजरायली अहंकार और इजरायली आतंकवाद को रोकने वाला एकमात्र कदम इस्लामी देशों का गठबंधन है। मिस्र और सीरिया के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए तुर्किये ने हाल ही में जो कदम उठाए हैं, उनका उद्देश्य विस्तारवाद के बढ़ते

खतरे के खिलाफ एकजुटता दिखाना है। इजरायली विदेश मंत्री का आया बयान दूसरी ओर इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने एक बयान में कहा कि एर्दोगन की टिप्पणी एक खतरनाक झूठ और उकसावे वाली है और तुर्किये के नेता क्षेत्र के उदारवादी अरब शासन को कमजोर करने के लिए ईरान के साथ वर्षों से काम कर रहे हैं। गाजा युद्ध पर मिस्र से वार्ता बता दें कि एर्दोगन ने इस सप्ताह अंकारा में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी की मेजबानी की और उन्होंने गाजा युद्ध और अपने लंबे समय से अच्छे संबंधों को और बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा की, जो 12 वर्षों में राष्ट्रपति की पहली ऐसी यात्रा थी। 2020 में उनके बीच संबंधों में सुधार आना शुरू हुआ जब तुर्किये ने संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब सहित क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के साथ तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास शुरू किए।

इमरान के समर्थकों और पुलिस में क्यों हुई भिड़ंत? स्थानीय प्रशासन ने पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पर लगाए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी पार्टी के समर्थकों ने इस्लामाबाद में रैली आयोजित की, वहीं इस रैली के दौरान पुलिस और पीटीआई के समर्थकों में जमकर झड़प भी हुई। जिसमें गोली चलाने और पुलिस पर पथराव करने का भी आरोप लगा है। जानकारी के मुताबिक, रविवार को पाकिस्तान की तहरीक-ए-इंसाफ की संगजानी रैली में, जिला मजिस्ट्रेट ने कार्यक्रम स्थल खाली करने के लिए कई रिमाइंडर जारी किए। जिसका इमरान खान की पार्टी के समर्थकों ने उल्लंघन किया।

सिर्फ सात बजे तक रैली आयोजन की मिली थी अनुमति : एक स्थानीय समाचार पत्र के अनुसार, इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को स्थानीय प्रशासन की तरफ से रैली के एनओसी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए चेतावनी जारी की गई थी, जिसके अनुसार उन्हें शाम सात बजे तक कार्यक्रम स्थल खाली करना अनिवार्य था। वहीं निर्धारित समय बीत जाने के बाद प्रशासन की तरफ से कई बार रिमांडर दिया गया और इसके बाद पीटीआई समर्थकों के न मानने पर पुलिस की तरफ से कार्रवाई की गई।

पीटीआई समर्थकों के हमले में पुलिस अधिकारी घायल : वहीं पुलिस की तरफ से कार्रवाई किए जाने के दौरान पीटीआई समर्थकों पर पुलिस पर पथराव और गोली चलाने का भी आरोप लगा है।

जिसके बाद पुलिस ने सुरक्षात्मक कार्रवाई करते हुए आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस के एक प्रवक्ता अनुसार पीटीआई समर्थक निर्धारित रैली मार्ग से अलग जा रहे थे और पुलिसकर्मियों पर हमला किया। इस घटना में एसएसपी सेफ सिटी शोएब खान समेत कई अधिकारी घायल हो गए हैं।

पुलिस पर पीटीआई ने गोली चलाने का लगाया आरोप : इधर पीटीआई ने आरोप लगाया कि रविवार को इस्लामाबाद में रैली के दौरान पुलिस ने उसके सदस्यों पर गोलियां चलाईं, यह रैली पार्टी के संस्थापक और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर आयोजित की जा रही थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, आप किसी व्यक्ति को जेल में डाल सकते हैं, लेकिन उसके विचारों को नहीं।

कमला हैरिस के समर्थन में भारतीय-अमेरिकी उद्यमी, नाचो-नाचो गाने के जरिए जुटाएंगे वोट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से चुनावी मैदान में कमला हैरिस हैं। दोनों का समर्थन करने वाले लगातार सामने आ रहे हैं। लोग अपना समर्थन देने के लिए नए-नए पैंतरे आजमा रहे हैं। अब उपराष्ट्रपति के समर्थन में दक्षिण एशियाई लोगों को जुटाने के लिए एक म्यूजिक वीडियो जारी किया है।

किसने की पहल : भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन अजय जैन भूटोरिया ने बॉलीवुड संगीत का इस्तेमाल करने का दिमाग लगाया है। नाचो नाचो गाना बॉलीवुड गायिका शिबानी कश्यप ने गाया। इसका निर्माण रितेश पारीख और उनकी रचनात्मक टीम ने किया। बता दें, भूटोरिया अमेरिका की सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सबसे ज्यादा दान इकट्ठा करने वाले लोगों में शामिल हैं। साल 2020 में बाइडन के राष्ट्रपति चुनाव में भी अहम भूमिका निभाई थी। फिलहाल वह 'हैरिस फॉर प्रेजीडेंट 2024' के उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष हैं।

यह केवल एक गीत नहीं... अजय का कहना है कि नाचो नाचो केवल एक गीत नहीं है बल्कि यह एक आंदोलन है। इस अभियान का उद्देश्य युद्ध के मैदान वाले राज्यों और प्रमुख जिलों में विविध दक्षिण एशियाई-अमेरिकी समुदाय से जुड़ना है। 44 लाख भारतीय-अमेरिकी मतदान के पात्र उन्होंने कहा, 44 लाख भारतीय-अमेरिकी और 60 लाख दक्षिण एशियाई मतदान के पात्र हैं। हमारा उपराष्ट्रपति

कमला हैरिस को इस साल के चुनाव में जीत दिलाने का लक्ष्य है। यह वीडियो भाषा और सांस्कृतिक बाधाओं से परे है और हिंदी, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, गुजराती, बंगाली और अन्य भाषाओं के मतदाताओं को प्रभावित करेगा। हैरिस की कहानी पर हम सभी का विश्वास एक टीवी चैनल के संस्थापक ने कहा, बॉलीवुड हमेशा बाधाओं से जीतने और हमें एकजुट करने वाली कहानियों को बताता रहा है। कमला हैरिस का भी यही दृष्टिकोण हैं- लोगों को एक साथ लाना और एक ऐसे भविष्य की वकालत करना जहां विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उनकी यात्रा एक ऐसी कहानी है जिस पर हम सभी विश्वास करते हैं। 2020 में रचा था इतिहास भूटोरिया ने कहा कि गीत और वीडियो में दिखाया गया नृत्य समुदाय की उत्सव की भावना को दर्शाता है। हैरिस के समर्थन में वोट लाने के लिए एक मजबूत संदेश के रूप में यह गीत काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि साल 2020 में हमने दक्षिण एशियाई और भारतीय-अमेरिकी मूल की पहली महिला को उपराष्ट्रपति चुनकर इतिहास रच दिया। अब, 2024 में उन्हें हमारा अगला राष्ट्रपति बनाने का समय आ गया है।

उन्होंने हैरिस और उनके रनिंग मेट टिम वाल्ज के लिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से और बॉलिवुड गाना जारी करने की योजना बनाई है। उनका कहना है कि साल 2020 के प्रचार अभियान के दौरान हमने बॉलीवुड से प्रेरित वीडियो वायरल होते देखा थ और हम उस सफलता को दोहराएंगे। दक्षिण एशियाई वोट इस चुनाव में निर्णायक हो सकते हैं और हम हर वोट को पाने के लिए सभी कोशिश करेंगे।

हरियाणा विधान सभा चुनावी दंगल में राजनीतिक दलो नई मुसीबतें

(लेखक- विनोद कुमार सिंह)

-हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच अभी बातचीत का दौर जारी है।

- कॉंग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर जारी है वही दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है।

जानकारी के मुताबिक हुड्डा गुट और कुछ अन्य नेता आप के साथ सीट बंटवारे के खिलाफ हैं।इन नेताओं का मानना है कि केजरीवाल की पार्टी का हरियाणा में कोई खास आधार नहीं है।वहीं, कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 32 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की।इसमें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को गढ़ी सांपला-किलोई,पहलवान विनेश फोगाट को जुलाना और राज्य इकाई के प्रमुख उदयभान को होडल सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

देश की राजधानी दिल्ली से सटे हुए पड़ोसी राज्य हरियाणा की चर्चा चहुँ दिशाओं में हो रही है। हालाकि हरियाणा व हरियाणवी लोक संस्कृति, चौपाल व अखाड़े व किसानों को लेकर होती रहती है।चाहे वह किसान आन्दोलन हो कुश्ती व अन्य खेलो पदकों के जीत का जशन हो आदि।आज आप का ध्यान हरियाणा के राज्य विधानसभा चुनावी दंगल से सम्बधित दाव पेंच पर करने वाले है।जैसा कि आप सभी को मालुम है कि दो राज्यों अर्थात जम्मु कश्मीर व हरियाणा में विधान सभा के होने वाली है जम्मु- कश्मीर में धारा370के हटने के बाद10 वर्षो के बाद चुनाव हो रही है।वही हरियाणा में 5 वर्ष बाद जहाँ कुछ महीनों राज्य के मुख्य मनोहर लाल कट्टर को हटाकर सैनी को सता की कमान सौंपी गई थी।जैसा कि हमने आपसे वादा किया था आज हम हरियाणा के विधान सभा चुनाव पर चर्चा करेंगे।आप को बता दे कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच अभी बातचीत का दौर जारी है। कॉंग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर जारी है दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है। तमाम राजनीतिक पार्टियाँ अपने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने के साथ ही अब चुनाव प्रचार पर अपना ध्यान कर रही है।राज्य के दोनो राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची तक जारी कर दी है। बीजेपी ने अपनी पहली सूची में जहाँ हरियाणा की 90 में से 67 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है तो वहीं कांग्रेस ने अपनी पहली लिस्ट में कुल 323 म्मीद वारों के नामों का ऐलान किया है। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच अभी बातचीत जारी है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दोनों पार्टी में बातचीत जारी है।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी हरियाणा में लगातार काम कर रही है।हम सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं।हमारा संगठन पूरी तरह से मजबूत है।हम एक-दो दिन में उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर देंगे।इसके साथ ही आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता ने उम्मीद जताई कि गठबंधन को लेकर कोई न कोई निष्कर्ष निकल जाएगा। गौरतलब रहे कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस आम आदमी पार्टी(आप)के साथ भी सीट बंटवारे पर बातचीत कर रही है।हालांकि, शुक्रवार को दोनों पार्टियों के बीच सीट-बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई थी।इससे गठबंधन की संभावनाएं धूमिल होती नजर आ रही थीं।लेकिन शनिवार को आम आदमी की प्रवक्ता ने कहा है कि अभी बात चल रही है तथा अभी उम्मींद बची हुई है।हरियाणा राजनीति पर पैनी नजर रखने वालें राजनीतिक पंडितों का कहना है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ गठबंधन पर आपत्ति जताई है। जानकारी के मुताबिक हुड्डा गुट और कुछ अन्य नेता आप के साथ सीट बंटवारे के खिलाफ हैं।इन नेताओं का मानना है कि केजरीवाल की पार्टी का हरियाणा में कोई खास आधार नहीं है।वहीं, कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 32 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की।इसमें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को गढ़ी सांपला-किलोई,पहलवान विनेश फोगाट को जुलाना और राज्य इकाई के प्रमुख उदयभान को होडल सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति(सीईसी)की नयी दिल्ली में हुई बैठक के बाद उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गई।इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव एवं संगठन प्रभारी के.सी.वेणुगोपाल,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी)के हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया और हुड्डा समेत अन्य लोग शामिल हुए।एक तरफ कॉंग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर जारी है वही दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है। तमाम राजनीतिक पार्टियाँ अपने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने के साथ ही अब चुनाव प्रचार पर अपना ध्यान कर रही है।राज्य के दोनो राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची तक जारी कर दी है।बीजेपी ने अपनी पहली सूची में जहां हरियाणा की 90 में से 67 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है तो वहीं कांग्रेस ने अपनी पहली लिस्ट में कुल 32 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है।वही हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत दौर चल रही है,लेकिन इन सबके बीच बीजेपी और कांग्रेस के लिएअपने ही नेता मुसीबत खड़ी करते नजर आ रहे हैं।ये वो नेता है जिन्हें पार्टी ने उनकी सीट से इस बार टिकट नहीं दिया है।अब ये नेता अपनी पार्टी के खिलाफ ही विद्रोह की विगुल बजाते हुए नजर आ रहे हैं।राज्य विधानसभा चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे है राजनीतिक दलों के लिए मुसीबत बढ़ती नजर आ रही है।राज्यों के विधान सभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों में अपने दलों की उम्मीदवारों के लिस्ट जारी करने के लिए माथा पच्ची व मैराथन बैठकों के दौर के बाद कुछ उम्मींदवारों की सुची जारी हो के बाद कई राजनेताओं नें अपना विरोध जताया है।कुछ न तो पार्टी के आला कमान के फैसले के विरोध अपनी पार्टी से इस्तीफा दे कर विरोधी दलों के खेमें में शामिल तक हो गया।ऐसा दृश्य पहले भाजपा के बाद अब कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी के खिलाफ ही चुनाव लड़ने का किया ऐलान तक कर दिया है।पार्टी के द्वारा सुची के सामने आने के बाद कॉंगेस पार्टी के अंदर कई नेता आलाकमान से नाराज चल रहे हैं।इस सुची में सबसे पहला नाम बहादुरगढ़ के राजेश जून का है।उन्होंने विधान सभा निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दिया है।कांग्रेस की पहली सूची जारी होने के बाद पार्टी के बड़े नेता राजेश जून ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है।उन्होंने ऐलान किया है कि पार्टी ने उन्हें भले उम्मीदवार नहीं बनाया है लेकिन वो बहादुरगढ़ से बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।राजेश जून ने चुनाव लड़ने का ऐलान करने के बाद अपने समर्थकों के साथ एक बैठक भी की है।उन्होंने कहा मेरे साथ कांग्रेस नेतृत्व ने धोखा किया है,लेकिन मैं हार नहीं मानने वाला हूं मैं इस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की तुलना दोगुने वोट लेकर विधायक चुना जाऊँगा । पार्टी के वरिष्ठ नेताओं मुझसे वादा किया था कि वें मुझे टिकट देंगे,लेकिन ऐसा हुआ नहीं.

आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)ने भी अपने67उम्मीद वारों की पहली सूची जारी की थी।पहली लिस्ट को आए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए थे कि बीजेपी में इसे लेकर विरोध के स्वर बुलंद होने लगे थे।बीजेपी के खिलाफ बगावत करने वालों में खास तौर पर तीन बड़े नेता शामिल थे।इन नेताओं ने पार्टी के पदों से इस्तीफा भी दे दिया था. इस लिस्ट में पहले नंबर पर थे कर्णदेव कांबोज आप को बता दे कि कंबोज वर्तमान में हरियाणा में भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष थे।उन्होंने इंद्री से टिकट ना मिलने के बाद भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।पार्टी पद से इस्तीफा देने वालों में रणजीत सिंह चौटाला और कविता जैन जैसे नेताओं नाम भी शामिल है।हरियाणा के कैबिनेट मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला का भी नाम लिस्ट से गायब था।बीजेपी की पहली लिस्ट से अपना नाम गायब देखने के बाद रणजीत सिंह चौटाला ने अपने समर्थकों की एक बैठक बुलाई थी।वही कॉंग्रेस पार्टी के लिए एक बुरी खबर आ रही है कि हरियाणा विधान सभा चुनावी दंगल में पार्टी ने दो अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान विनेश व बजरंग को उत्तरा था।दोनो पहवानों ने आनन फानन में काग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लिया।बजरंग पहलवान को पार्टी में नई जिम्मेदारी सौपी वही विनेश को विधान सभा चुनावी मैदान दंगल में टिकट दे कर उतार दिया।राजनीतिक शतरंज के सह मात में चाल में दोनो पहलवान फॅसते नजर आ रहे है। सर्वविदित रहे कि दोनो पहलवान रेलवे में अपनी सेवा दे रहे है। यानि न रेलवे में दोनो नौकरी करते है। बजरंग की राजनीतिक गतिविधियों को देखते हुए रेलवे ने 4 सितंबर को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था।इसके बाद 6 सितंबर को दोनों पहल वानों ने रेलवे में अपने पद से इस्तीफा दे दिया और उसके बाद कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

संपादकीय

रेल सुरक्षा

ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश की जितनी निंदा की जाए, कम है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में रविवार देर रात प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पटरियों पर रखे एलपीजी सिलेंडर से टकरा गई, यह तो अच्छा था कि सिलेंडर में विस्फोट नहीं हुआ। सिलेंडर टकराकर दूर चला गया और ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश नाकाम हो गई। पुलिस ने अपने स्तर पर इस घटना को गंभीरता से लिया है और वह इसे बड़ी साजिश मान रही है, तो आश्चर्य नहीं। पुलिस को हर हाल में उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए, जिन्होंने ऐसे दुस्साहस को अंजाम दिया है। आजकल वैसे भी ट्रेनों की औसत गति काफी बढ़ गई है और पटरियों पर एक के पीछे एक इतनी ट्रेनें दौड़ रही हैं कि उन्हें समय से चलाना और गति के साथ चलाना अनिवार्य होता जा रहा है। कालिंदी एक्सप्रेस भी काफी तेज गति से आगे बढ़ रही थी। अगर उससे टकराकर सिलेंडर में विस्फोट होता, तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता था। फोरेंसिक टीम जांच में लग गई है, अपराधियों तक पहुंचना और उनके पूरे मनसूबे को जानना जरूरी है, ताकि सुरक्षा के प्रबंध को पुख्ता किया जा सके। ऐसे गंभीर मामलों में जांच एजेंसियों को लीपापोती से बचते हुए खतरों को देखने-समझने की कोशिश करनी चाहिए। रेल संचालन जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, ऐसे अपराधी तत्वों पर अंकुश। वैसे ध्यान रहे, 17 अगस्त को वाराणसी-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस के 22 डिब्बे कानपुर के पास ही पटरी से उतर गए थे, जब इंजन एक वस्तु से टकरा गया, जिसे लोको पायलट ने चट्टान बताया। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतर जाने से चार यात्रियों की जान चली गई थी। कालिंदी एक्सप्रेस के साथ हुई ताजा घटना कितना गंभीर रूप ले सकती थी, यह हमें जरूर सोचना चाहिए। ध्यान रहे, 20 अगस्त 1995 को कालिंदी एक्सप्रेस एक नीलगाय से टकराकर खड़ी थी और उसे पुरुषोत्तम एक्सप्रेस ने पीछे से टक्कर मार दी थी। उस हादसे में 350 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। उस हादसे को भारत के पांच बड़े रेल हादसों में गिना जाता है। सबसे बड़ा खतरा यही होता है कि अगर रेल किसी भी वजह से पांच मिनट कहीं खड़ी हो जाए, तो उसी पटरी पर पीछे से आ रही ट्रेन काल बन जाती है। इस बार शायद यही साजिश थी कि कानपुर रूट जैसे व्यस्ततम मार्ग पर यातायात को बाधित किया जाए, ताकि पूरे रेल संचालन पर ही असर पड़े। यात्रियों का भाग्य अच्छा था कि सिलेंडर टकराकर दूर चला गया और ट्रेन बेपटरी नहीं हुई। यह स्पष्ट है कि कानपुर-दिल्ली क्षेत्र रेल सुरक्षा के लिहाज से शुरू से ही संवेदनशील रहा है। सुविधाओं के विस्तार के साथ ही इस क्षेत्र या इस रूट पर गाड़ियों की संख्या बहुत ज्यादा है। अतः यहां रेल संचालन का सोलह आना चाक-चौबंद होना जरूरी है। केंद्र सरकार ने अगर इस हादसे या साजिश की जांच का काम एनआईए को दिया है, तो यह एक स्वागतयोग्य कदम है। अब समय आ गया है कि रेल हादसों या साजिशों के बारे में लोगों को पूरी जानकारी मिले। जांच के नतीजे छिपाने से किसी का फायदा नहीं है। केवल छोटे कर्मचारियों पर ठीकरा फोड़ने के बजाय बड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हर तरह की रेल सेवा और उसकी सुरक्षा की गुणवत्ता में सुधार को प्राथमिकता बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर पर रक्षामंत्री का दूरगामी सन्देश

कहना कठिन है कि रक्षा मंत्री के बयान पर पाकिस्तान क्या कहता है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि वह आतंकवाद को सहयोग-समर्थन देने से बाज आएगा। पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे इस चुनाव पर सिर्फ भारतीयों नहीं, पूरी दुनिया की नजर है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि हम गुलाम कश्मीर पर अपना दावा कभी नही छोड़ेंगे। वैसे भी गुलाम कश्मीर के लोग हमारे ही लोग है, उन्हें पाकिस्तान ने कभी अपना माना ही नहीं है। राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर के लोगों को संदेश पाकिस्तान के ताबूत में आखिरी कील की तरह है।

(लेखक-ललित गर्ग)

जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार को एक नई करवट देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऐसी बातें कहीं है जो घाटी के लोगों के दिलों को छूने वाली होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है एवं गुलाम कश्मीर के लोगों के प्रति सहानुभूति एवं आत्मीयता दर्शाने वाली है। एक दिन पहले करगिल युद्ध को लेकर पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने वो बात कुबूल कर ली, जो अब तक सारे पाकिस्तानी जनरल पूरी दुनिया से छिपाते रहे। आसिम मुनीर ने साफ-साफ कहा कि कारगिल जंग में पाकिस्तानी सेना का हाथ था। उनके सैनिकों ने शहादत दी है। इसके अगले ही दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जम्मू-कश्मीर की धरती से ये ऐलान कि अगर पाकिस्तान आतंक छोड़ दे तो उसके साथ बातचीत हो सकती है। यह बयान बहुत कुछ कहता है एवं इसके कई दूरगामी राजनीतिक दृष्टिकोण है। पाकिस्तान समझ चुका है कि कश्मीर में अब उसका कुछ नहीं बचा। रही सही कसर, जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों में लोगों की जोरदार भागीदारी ने पूरी कर दी। उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा है, ऐसे में वह हकीकत स्वीकार करता नजर आ रहा है। रक्षामंत्री की कही बातों में पाकिस्तान सरकार को सीधा सन्देश दिया गया है। निश्चित ही राजनाथ सिंह के बयान एक अनुभवी एवं कद्दावर नेता के रणनीतिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े बयान है, जिनकी प्रतिक्रिया दोनों ही देशों में होने के साथ ही चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे राजनीतिक दलों में सुगबुगाहट का बड़ा कारण बना है।

कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना गुलाम कश्मीर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं कि उन्हें भी इस ओर आजाद फिजा में सांस लेने का मौका मिले। ऐसे में रक्षामंत्री ने उन्हें भारत का हिस्सा बनने का निमंत्रण देकर पड़ौसी देश की दुखती रग को छेड़ दिया है एवं पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है, बल्कि गुलाम कश्मीर के लोगों में भी नया विश्वास एवं मनोबल जगा दिया है। रक्षामंत्री का यह निमंत्रण बहुत मायने रखता है, इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि गुलाम कश्मीर हमारा है एवं हम इसे लेकर रहेंगे। गुलाम कश्मीर के लोग भारत से मिलने के लिये उत्सुक है, आन्दोलनरत है। क्योंकि पाकिस्तानी शासक उन्हें विदेशियों की तरह देखते हैं। यह एक सच्चाई भी है। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर के लोगों का जैसा दमन और शोषण कर रहा है, उसके कई प्रमाण सामने आ चुके हैं। इसी दमन और शोषण के चलते जब-तब वहां पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लोग भारत जाने की अनुमति भी मांगते रहते हैं। गुलाम कश्मीर में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे लोगों को मारा जा रहा है। वहां के लोग यह अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारतीय भूभाग में किस तरह तेजी से विकास हो रहा है और उन्हें किस तरह पाकिस्तान की ओर से ठगा जाता रहा है। कहना कठिन है कि रक्षा मंत्री के बयान पर पाकिस्तान क्या कहता है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि वह आतंकवाद को सहयोग-समर्थन देने से बाज आएगा। पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे इस चुनाव पर सिर्फ भारतीयों नहीं, पूरी दुनिया की नजर है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि हम गुलाम कश्मीर पर अपना दावा कभी नही छोड़ेंगे। वैसे भी गुलाम कश्मीर के लोग हमारे ही लोग है, उन्हें पाकिस्तान ने कभी अपना माना ही नहीं है। राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर के लोगों को संदेश पाकिस्तान के ताबूत में आखिरी कील की तरह है।

रक्षा मंत्री ने अपने वक्तव्य के जरिये चुनाव के परिदृश्यों को एक नया मोड़ दिया है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। उनके लिए ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के नेता पाकिस्तानपरस्ती का परिचय देते हुए उससे बात करने पर जोर दे रहे हैं, लेकिन ऐसा करते हुए वे यह रेखांकित नहीं करते कि वार्ता के लिए उसे आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी कश्मीर के लोगों को अनुच्छेद-370 की वापसी का भी सपना दिखा रहे हैं। यह दिवास्वप्न के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि अब इस विभाजनकारी और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले अनुच्छेद की वापसी संभव नहीं और इसीलिए रामबन में राजनाथ सिंह ने कहा, भाजपा ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि का रास्ता बनाया है। किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं कि वह इस अनुच्छेद को वापस ला सके। ऐसा कहते हुए उन्होंने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया, जो कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है और अनुच्छेद-370 की वापसी के उसके वादे पर मौन धारण किए हुए है। पाकिस्तान एवं घाटी के विभिन्न राजनीतिक दल बार-बार अनुच्छेद 370 का जिक्र कर दुनिया के सामने यह गीत गाते रहे हैं कि 370 हटने से कश्मीर के लोग नाराज हैं। इस झूठ को खुलासा स्वयं कश्मीर की जनता ने लोकसभा चुनाव में वोटिंग के जरिये किया है।

घाटी में चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे हैं राजनीतिक दल पाकिस्तानी राग अलापते रहे हैं। उमर अब्दुल्ला इस वक्त अफ़ज़ल को दी गयी फांसी के विवाद में घिर चुके हैं। उन्होंने कह दिया कि अफ़ज़ल को फाँसी देना गलत था। चूँकि अफ़ज़ल संसद पर हमले का ज़िम्मेदार था, उसकी तरफदारी करके नेशनल कान्फ्रेंस स्पष्ट रूप से जता रही है कि वह आतंकवादियों से मिली हुई है या उनकी तरफ़दारी कर रही है और कांग्रेस उसकी साथी है। इन स्थितियों में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में किए गए वादों से सहमत है? उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह उमर अब्दुल्ला के इस आकलन से सहमत है कि संसद पर हमले की साजिश रचने वाले अफजल गुरु को फांसी की सजा देने से कुछ हासिल नहीं हुआ? यह अलगाववाद और आतंकवाद के दौर की वापसी के समर्थकों की हमदर्दी हासिल करने वाला ही बयान है और इसीलिए राजनाथ सिंह ने उन पर कटाक्ष किया कि अफजल को फांसी न दी जाती तो क्या उसके गले में हार डाले जाते। यह विडंबना ही है कि कांग्रेस उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर भी चुप्पी साधे है, जबकि उसे फांसी की सजा मनमोहन सिंह सरकार के समय ही दी गई थी। ऐसे में कश्मीर के लोगों को तय करना होगा कि वे देश प्रेमियों के साथ हैं या देशद्रोहियों के साथ? बहरहाल, धारा 370 हटने के बाद यहाँ पहली बार हुए लोकसभा चुनाव में पचास प्रतिशत से ऊपर मतदान हुआ था जो अच्छा संकेत है। वर्ना इससे पहले तो तीस प्रतिशत मतदान को भी अच्छा समझा जाता रहा।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता के साथ गुलाम कश्मीर एवं अनुच्छेद 370 के मुद्दे व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेंगे। इन चुनावों में मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। इन स्थितियों में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कश्मीर की जनता को जागरूक किया है एवं मतदान के प्रति सतर्क होने के साथ अपना मतदान विवेक से करने का वातावरण निर्मित किया है।

विचार मंथन

विश्वास की कड़ी टूटते ही मणिपुर में हिंसा

(लेखक-सनत जैन)

एक बार फिर मणिपुर हिंसा की आग में झुलस रहा है। पिछले 11 दिनों में 8 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों ही समुदाय एक दूसरे के ऊपर हमला कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी मणिपुर के मुख्यमंत्री और राज्यपाल का इस्तीफा मांग रहे हैं। स्कूली छात्र अब इस आंदोलन में शामिल हो गए हैं। स्कूली छात्रों ने इंफाल में सीआरपीएफ के जवानों पर भी हमला कर दिया। मणिपुर का राजभवन भी अब सुरक्षित नहीं रहा। यहां पर आंदोलनकारियों द्वारा पथराव किया जा रहा है। स्थानीय नागरिक कुकी हों या मेतई, दोनों ही ड्रोन और रॉकेट के हमलों से भयभीत हैं। राज्य सरकार दोनों ही समुदाय को सुरक्षा नहीं दे पा रही है। केंद्र सरकार ने 50000 से अधिक सुरक्षाबल मणिपुर में तैनात कर रखा है। वह भी कुकी और मेतई समुदाय का विश्वास नहीं जीत पाईं है। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के खिलाफ अब मैतई समुदाय में भी भारी रोष देखने को मिल रहा है। स्कूली छात्रों ने अपनी छह सूत्री मांगों को रखा था। जिस पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने कोई प्रतिक्रिया न देते हुए, छात्रों को टाल दिया। इससे छात्रों का गुस्सा भड़क गया है। छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। मेतई संगठनों ने सरकारी कार्यालय में अपना झंडा फहरा दिया। आंदोलनकारियों का कहना है, सुरक्षा सलाहकार और डीजीपी राज्य में शांति स्थापित करने में असफल रहे हैं। आंदोलनकारी उन दोनों के साथ, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भी हटाने की मांग कर रहे हैं। 16 महीने से मणिपुर में हिंसा चल रही है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार, सुप्रीम कोर्ट सभी ने अपने-अपने स्तर पर प्रयास किया। मणिपुर की देश और विदेशों में चर्चा हो रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो बार मणिपुर का दौरा कर चुके हैं। इसके बाद भी मणिपुर में शांति स्थापित नहीं हो पा रही है। इसका मूल कारण हाईकोर्ट के आरक्षण पर दिए गए निर्णय के बाद से, मणिपुर घाटी सुलग रही है। आरक्षण विवाद की चिंगारी मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने लगाई थी। आरक्षण के मुद्दे पर मेतई समुदाय का समर्थन प्रारंभ में मणिपुर के मुख्यमंत्री को मिल रहा था। लेकिन अब मेतई समुदाय भी उनसे नाराज है। मुख्यमंत्री के होते हुए इस समुदाय को काफी बड़ा नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह मैतई समुदाय की रक्षा नहीं कर पाए। लाखों की संख्या में मेतई समुदाय की महिलाएं और बच्चे परेशान हैं। मणिपुर की पूर्व राज्यपाल अनसुईया उइके दोनों ही समुदाय के बीच विश्वास की कड़ी बनी थीं। मणिपुर की सामाजिक व्यवस्था में महिलाओं का वर्चस्व है। मणिपुर की पूर्व राज्यपाल ने दोनों समुदाय के बीच विशेषकर महिलाओं के बीच समन्वय बनाने में सफलता पाई थी। वह दोनों ही समुदाय के लोगों से मिलकर उनका भरोसा जगा रही थीं। विवाद को सुलझाने में वह दोनों पक्षों का भरोसा जीतने में सफल रही हैं। जैसे ही उनका कार्यकाल खत्म हुआ। अगस्त माह में वह गवर्नर का पद छोड़कर वापस चली गईं। उसके बाद से मणिपुर के लोगों में विश्वास का संकट पैदा हो गया है। पूर्व राज्यपाल अनसुईया उइके के रहते हुए दोनों समुदायों को विश्वास था, जल्द ही मणिपुर में शांति स्थापित होगी। जैसे ही अनुसुईया उइके मणिपुर छोड़कर गई हैं। उसके बाद से ही मणिपुर में हिंसा का नया दौर शुरू हो गया। मणिपुर में जब तक बीरेन सिंह मुख्यमंत्री बने रहेंगे, तब तक मणिपुर की समस्या का समाधान नहीं होगा। वही आग में पेट्रोल डालने का काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार की नीतियां और शांति के प्रयास मुख्यमंत्री के कारण मणिपुर में सफल नहीं हो पा रहे हैं। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पर दोनों ही समुदाय को अब कोई विश्वास नहीं है। रही सही कसर जो नए कार्यवाहक राज्यपाल आए हैं, वह भी मुख्यमंत्री के नक्शे-कदम पर चलकर पूरी कर रहे हैं। इस कारण मणिपुर की स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। दोनों ही समुदाय के लोगों में डर और भय का वातावरण बना हुआ है। पूर्व राज्यपाल अनसुईया उईके जरूर एक विश्वास का प्रतीक थी। उनके मणिपुर में नहीं होने से अब डर और भय का वातावरण बन गया है। ऐसी स्थिति में मणिपुर में शांति स्थापित हो पाना नामुमकिन है। केंद्र सरकार ने मणिपुर को एक तरह से मुख्यमंत्री के हवाले कर दिया है। जिसके कारण केंद्र और राज्य सरकार के प्रति मणिपुर के दोनों समुदायों में भयंकर नाराजी है। केंद्र सरकार को समय रहते, मणिपुर के मुख्यमंत्री को बर्खास्त कर, निष्पक्ष प्रशासन को तैनात करना होगा। जो दोनों ही पक्षों का विश्वास जीत सके। मणिपुर के मामले में केंद्र सरकार को पूर्व राज्यपाल अनसुइया उइके का भी उपयोग मणिपुर में शांति स्थापित करने में करना चाहिये।

बूझो करियर की अनजान राहों को

करियर को लेकर छात्रों के बीच काफी असमंजस की स्थिति रहती है। इस स्थिति की सबसे बड़ी वजह है- करियर की सही राह को चुनने की चुनौती। इस समय करियर के लिए पारंपरिक विषयों के अलावा सैकड़ों की तादाद में विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन जानकारी के अभाव या अपनी रुचि को न पहचान पाने के कारण बड़ी संख्या में छात्र मनमाफिक करियर नहीं चुन पाते है। छात्र ही नहीं, अभिभावक भी बच्चों के लिए सही करियर तलाशने की प्रक्रिया में काफी तनावग्रस्त हो जाते हैं। उनकी दिनचर्या में यह तनाव बच्चे का दाखिला हो जाने तक कायम रहता है। यह एक सामान्य-सी स्थिति है और करीब 90 फीसदी छात्र और अभिभावकों को इस दौर से गुजरना पड़ता है। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के इस युग में हर दिन कुछ अलग करियर और पेशेवर संभावनाएं जन्म ले रही हैं। ऐसे में यह समझने वाली बात है कि किसी करियर विकल्प की चमक ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहती। इसलिए यदि आप करियर के लिए उन पाठ्यक्रमों और विषयों को चुनते हैं, जिनमें आप अच्छे हैं, तो आप हमेशा ही अपने कार्यक्षेत्र में सफल होंगे।

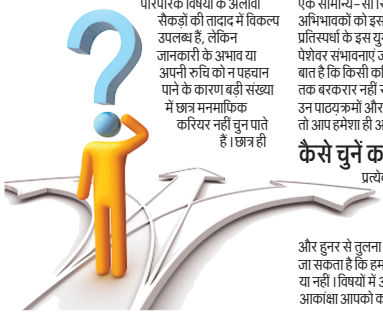

कैसे चुनें करियर

प्रत्येक करियर के लिए एक खास रुझान, रुचि और कुछ व्यक्तिगत गुणों की जरूरत होती है। वैज्ञानिक ढंग से इन जरूरतों की अपनी अभिरुचियों और हुनर से तुलना करके ही इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि हम सही करियर चुनने की दिशा में बढ़ रहे हैं या नहीं। विषयों में आपकी मजबूती, क्षमता, रुचि और आकांक्षा आपको करियर के असीमित विकल्पों में से अपने लिए श्रेष्ठ को चुनने में मदद करती है। भावी जीवन में आपकी सफलता के लिए करियर प्लानिंग की यह प्रक्रिया काफी आवश्यक है।

साइकोमीट्रिक असेसमेंट

करियर के चयन में यह बेहद मददगार विधि है, जिसे जब करियर के चुनाव के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है, तो काफी हद तक ठोस और सटीक परिणाम मिलते हैं। इस विधि से परखे जा रहे छात्र का गहराई से मूल्यांकन हो पाता है। इससे संबंधित छात्र की रुचियों, बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व के बारे में अनुमान लगाना संभव होता है। साइकोमीट्रिक असेसमेंट से छात्र की काबिलियत और क्षमताओं की स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाती है, जो उपयुक्त करियर के चयन में अहम होती है। छात्रों के नजरिए से इस विधि को देखें, तो यह उनके सामने उनकी इच्छाओं और हुनर की बानगी पेश करती है। इस असेसमेंट से अभिभावक अपने बच्चों के और छात्र स्वयं के हुनर की तुलना अपनी मनपसंद नौकरी/ पेशे के लिए जरूरी गुणों से कर सकते हैं। चूंकि नौकरी पाने के लिए एक पाठ्यक्रम विशेष की पढ़ाई करनी होती है और इसके लिए भी कुछ खास हुनर का होना जरूरी होता है।

ह्यूमेनिटीज में भी भरपूर हैं रोजगार के अवसर

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। इस लेख के माध्यम से छात्रों को ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम और उसमें निहित अवसरों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कुई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई (ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन) नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है। सरकारी सेवाओं में जाने की इच्छा रखने वाले छात्र ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के साथ अपने सपने का साकार कर सकते हैं। वह कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा यूपीएससी की सिविल सर्विस परीक्षा में भी अपनी चुनौती पेश कर सकते हैं। चूंकि बैचलर डिग्री स्तर पर आर्ट्स के पाठ्यक्रमों में हिस्ट्री, जियोग्राफी और सिविक्स (नागरिक शास्त्र) आदि विषय पढ़ाए जाते हैं, जो तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक होते हैं।

ह्यूमेनिटीज के लिए जरूरी गुण

- किसी मुद्दे को समझने और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता
- मानसिक और कामकाजी स्तर पर रचनात्मकता हो
- काम को व्यवस्थित करने और उन्हें तय समयसीमा में निपटाने का हुनर
- लिखित सामग्री को पढ़ने और उससे खास बिंदुओं को चुनने का कौशल हो
- बड़ी मात्रा में सूचनाओं और तथ्यों को समझने और ग्रहण करने की क्षमता
- अलग-अलग शैलियों में अच्छा लिखने का हुनर हो
- अपनी बात को प्रभावी शब्दों में स्पष्ट रूप से रखने में दक्षता हो
- शोध करने और तथ्यों के स्रोतों का मूल्यांकन करने की क्षमता हो
- चर्चाओं में भाग लेने और उनका नेतृत्व करने में रुचि हो
- निजी प्रेरणा से काम करने का जज्बा हो
- विचारों और सुझावों को व्यावहारिक रूप देने की कला हो
- निष्पक्षता और खुद में पूरा विश्वास हो
- अपनी बातों पर विचार-विमर्श को तैयार रहने का लचीलापन हो
- साख्यिकीय आंकड़ों पर आधारित शोध में निष्कर्ष निकालने की क्षमता हो

इन क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी
- रिसर्च असिस्टेंस
- साइकोलॉजी

कॉमर्स से पा सकते हैं बेहतर करियर और रोजगार

लोकप्रियता के मामले में यह छात्रों और अभिभावकों के बीच साइंस स्ट्रीम के बाद दूसरे स्थान पर है। अंडर ग्रेजुएट स्तर पर कॉमर्स एक प्रमुख विषय है। इसका संबंध मूल रूप से व्यापार की समझ, बाजार के उतार-चढ़ाव, अर्थव्यवस्था की जानकारी, मौद्रिक और औद्योगिक नीतियों आदि से है। विषय के स्तर पर कॉमर्स अकाउंटेंसी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग और ई-कॉमर्स सहित कई अन्य विषयों का मिलाजुला विस्तृत क्षेत्र है। इसलिए इसमें पढ़ाई और रोजगार के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं। हर विषय की तरह कॉमर्स और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए भी कुछ अभिरुचियों का होना जरूरी होता है। यहां कुछ प्रश्न दिए गए हैं, जिनका उत्तर देकर आप यह जान सकते हैं कि आपकी अभिरुचि कॉमर्स के लिए उपयुक्त है या नहीं।

इन प्रश्नों से जांचें अभिरुचि

- क्या आपके पास गणना की अच्छी क्षमता है?
- क्या आपमें विश्लेषणात्मक कौशल है?
- क्या आपके पास व्यापार का व्यावहारिक बोध है?
- क्या आप त्रुटिरहित और सटीक काम को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं?
- क्या आप कार्यालय के माहौल का आनंद उठाते हैं?
- क्या आपमें गणनाएं करने के साथ आंकड़ों को समझाने का हुनर है?
- क्या आप बजट, व्यापार की खबरों और आर्थिक समीक्षाओं को पढ़ते हैं?
- क्या आप में प्रशासकीय और संगठन के रूप में काम करने की कुशलता है?

पूछे गए इन प्रश्नों में से अगर अधिकांश का जवाब आपके पास 'हां' है, तो समझिए आपके भीतर वह अभिरुचि है, जो कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए जरूरी है।

कॉमर्स में उपलब्ध विषयों के विकल्प

बिजनेस इकोनॉमिक्स - इस विषय में लॉ ऑफ डिमांड एंड सप्लाई, लॉ ऑफ रिटर्न्सर, इलास्टिसिटी, थ्योरी ऑफ प्राइसिंग अंडर डिफरेंट मार्केट फॉर्म्स आदि से संबंधित कॉन्सेप्ट के बारे में पढ़ाया जाता है।

कॉस्ट अकाउंटिंग - इस विषय में जॉब एंड कॉन्ट्रैक्ट कॉस्टिंग, ओवरहेड्स कॉस्टिंग, स्टैंडर्ड एंड वेरिएंस कॉस्टिंग और बजटरी कंट्रोल से जुड़ी प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है।

ऑडिटिंग - इस विषय में वैल्यूएशन, वाउचिंग ऑफ ट्रांजेक्शन, एसेट्स एंड लाइबिलिटी आदि से जुड़े मामलों के बारे में बताया जाता है। इसमें क्लब, हॉस्पिटल और चैरिटेबल संस्थानों जैसे संगठनों की ऑडिटिंग के बारे में भी सिखाया जाता है।

फाइनेंशियल अकाउंटिंग- यह विषय मुख्य रूप से प्रॉफिट एंड लॉस स्टेटमेंट, बैलेंस शीट, कंपनी अकाउंट, कैलकुलेशन ऑफ डेप्रिशिएशन एंड वैल्यूएशन ऑफ शेयर, गुडविल ऑफ कंपनी और नॉलेज ऑफ अकाउंटिंग स्टैंडर्ड (इंडिया/ इंटरनेशनल) आदि के बारे में जानकारी देता है।

बिजनेस फाइनेंस - इस विषय में फाइनेंशियल एनालिसिस और मैनेजमेंट ऑफ कैपिटल आदि व्यापारिक दुनिया की बुनियादी बातें समझायी जाती हैं। इसके अलावा लाभ के लिए पूंजी के बेहतर उपयोग की विधियों को समझने में भी यह विषय मदद करता है। इनकम टैक्स - इस विषय के तहत इनकम टैक्स, टैक्स प्लानिंग, टैक्स डिडक्शन और नॉट टैक्सेबल इनकम आदि के बारे में नियमों व कर संबंधी कानूनों की जानकारी दी जाती है।

बिजनेस लॉ - व्यापार से संबंधित देश के अमूमन सभी कानून इस विषय के अध्ययन क्षेत्र में आते हैं। कंपनीज एक्ट और कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट आदि कानूनों को प्रमुख रूप से इस विषय में पढ़ाया जाता है।

मार्केटिंग - यह विषय प्रोडक्ट, प्राइसिंग मेथड, प्रोमोशन, डिस्ट्रिब्यूशन चैनल और लॉजिस्टिक्स आदि के बारे में बताता है।

बिजनेस कम्यूनिकेशन - यह विषय मुख्य रूप से व्यापार संबंधी संवाद कौशल को निखारने पर केंद्रित है। इस विषय के जरिए छात्रों को व्यापारिक कार्यों के लिए उपयोग में आने वाले बिजनेस लेटर, नोटिस और मेमो आदि को तैयार करने की कला सिखाई जाती है। मौखिक संवाद के बारे में भी यह विषय प्रशिक्षित करता है।

रोजगार के लिए जरूरी कौशल

- आंकड़ों की गणना और उनके विश्लेषण में रुचि हो।
- संवाद का बेहतर कौशल हो।
- टीम के साथ काम करने और उसका नेतृत्व करने की क्षमता हो।
- संगठन संबंधी और प्रशासनिक क्षमताएं हों।
- तार्किक दृष्टि से चीजों को परखने का हुनर हो।
- सटीक और त्रुटिरहित काम करने में निपुणता हो।
- लंबी अवधि तक लगातार काम करने की क्षमता हो।
- अपने कार्य क्षेत्र से जुड़ी नई चीजों और नवीनतम तकनीकों को सीखने की जिज्ञासा हो।
- रचनात्मकता के साथ उच्च स्तर की बौद्धिक क्षमता हो।

जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को पवन-सौर हाइब्रिड परियोजना का मिला ठेका

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी की इकाई जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) से 600 मेगावाट की पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी बयान के अनुसार इसके बाद कंपनी की कुल 'लॉक-इन' उत्पादन क्षमता बढ़कर 18.2 गीगावाट हो गई है, जिसमें 3.8 गीगावाट (एफडीआई सहित) की कुल 'लॉक-इन' हाइब्रिड क्षमता शामिल है। इसमें कहा गया जेएसडब्ल्यू एनर्जी (कंपनी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को एमएसईडीसीएल से ग्रीनशू विकल्प के तहत आवंटित 400 मेगावाट सहित 600 मेगावाट की पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने हालांकि ठेके के वित्तीय विवरण की कोई जानकारी नहीं दी।

इलैक्ट्रॉनिक उत्पादन के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र जरूरी : मारुति

नई दिल्ली । वाहन उद्योग को विशेष रूप से सैमीकंडक्टर सहित इलैक्ट्रॉनिक कलपुर्जों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि महंगे आयात पर निर्भरता कम करने और उत्पादों को किफायती बनाए रखने के लिए ऐसा करना जरूरी है। उन्होंने वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) के 64वें सत्र में कहा कि वाहन उद्योग सुविधा, सुरक्षा और विकसित हो रहे नियमों के पालन करने के चलते एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि आज ग्राहक विशेष सुविधाओं से युक्त तकनीक-संचालित अनुभव चाहते हैं और यह बदलाव वाहनों के भीतर इलैक्ट्रॉनिक्स के इस्तेमाल में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

नई दिल्ली । सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने पेट्रोल और डीजल के रेट्स रिवाइज कर दिए हैं। इन कंपनियों ने घरेलू बाजारों के लिए फ्यूल की ताजा कीमतें, मंगलवार, 10 सितंबर के लिए अपडेट की हैं। मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। पेट्रोल-डीजल पर जीएसटी नहीं लगता है लेकिन, पेट्रोल का रिटेल सेलिंग प्राइस एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमिशन, वैट जुड़ने के बाद फाइनल होता है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

भारत में वीवो टी 3 अल्ट्रा जल्द होगा लांच

नई दिल्ली ।

भारत में चाइनीज कंपनी का वीवो टी 3 अल्ट्रा जल्द लांच हो सकता है। इस फोन को लेकर काफी दिनों से चर्चा चल रही है। ये बजट टी सीरीज में अपना पहला 'अल्ट्रा' डिवाइस होगा। फिलहाल कंपनी ने ऑफिशियल तौर पर ऐसी कोई जानकारी नहीं दी है कि इसे कब लॉन्च किया जाएगा।

हालांकि ऐसा कहा जा रहा है कि इसे सितंबर में ही पेश किया जा सकता है। लॉन्चिंग से पहले फोन के लिए माइक्रोसाइट लाइव हो गई है। वैसे तो फोन की कीमत को लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं मिली है लेकिन कंपनी के वीवो टी3 प्रो की कीमत को देख कर ऐसा लग रहा है कि आने वाले फोन को 30,000 रुपये से 40,000 रुपये के बीच पेश किया जा सकता है।वीवो के ऑफिशियल वेबसाइट और फ्लिपकार्ट पर जारी हुए टीज़र से फोन की कई खासियत के बारे में पता चला है। फीचर्स के तौर पर ये कंफर्म हो गया है कि वीवो टी3 अल्ट्रा में 2800 गुणा 1260 पिक्सल के रेजोल्यूशन, 120 एचेझेड रिफ्रेश रेट और 4,500 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ 6.78-इंच कर्व्ड अमोलेड डिस्प्ले होगा। वीवो टी3 अल्ट्रा में मीडियाटेक डायमेंसिटी 9200+ प्रोसेसर दिया जाएगा, और ये 12जीबी तक रैम और 12जीबी वर्चुअल रैम के साथ आ सकता है।

पावर के लिए वीवो टी 3 अल्ट्रा में 5,500 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है, और इसे 80वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ पेश किए जाने की उम्मीद है। धूल और पानी से बचाव के लिए फोन को आईपी68 रेटिंग दी जाती है। फोन 7.58एमएम की मोटाई के साथ एक स्लिम डिजाइन में आ सकता है।

कैमरे के तौर पर फोन में पीछे की तरफ डुअल कैमरा सेटअप दिया जाएगा, जिसमें ओआईएस सपोर्ट के साथ 50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स921 प्राइमरी सेंसर और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड एंगल लेंस होगा। इसके अलावा, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 50 मेगापिक्सल का फ्रंट फेसिंग कैमरा होगा।

टाटा की कारों पर 2 लाख तक का बंपर डिस्काउंट

मुंबई । टाटा मोटर्स ने फेस्टिव सीजन के लिए अपनी गाड़ियों पर दो लाख रुपए तक की छूट देने की घोषणा की है। कंपनी ने फेस्टिवल ऑफ कार्स नाम से एक अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य त्योहारी सीजन में कारों की बिक्री को बढ़ाना है। यह छूट 31 अक्टूबर दिवाली तक उपलब्ध रहेगी। टाटा मोटर्स ने ऑफर्स की इस लिस्ट में टियागो, टिगोर, अल्ट्रोज, नेक्सन, हैरियर और सफारी को शामिल किया है। हालांकि कंपनी ने अपनी 2 सबसे ज्यादा बिक रही कारों- टाटा पंच और हालिया लॉन्च कर्व पर कोई डिस्काउंट नहीं दिया है। टियागो पर 65,000 रुपए, अल्ट्रोज पर 45,000 रुपए, टिगोर पर 30,000 रुपए, नेक्सन पर 80,000 रुपए, हैरियर पर 1.60 लाख रुपए और सफारी पर 1.80 लाख रुपए तक की छूट दी जा रही है। टाटा मोटर्स ने डिस्काउंट के बाद अपनी कारों की नई शुरुआती कीमत जारी की है। इसमें टिआगो की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत अब 4.99 लाख रुपए, अल्ट्रोज की 6.49 लाख रुपए, टिगोर 5,99,900 रुपए, नेक्सन की 7.99 लाख रुपए, हैरियर की 14.99 लाख रुपए और सफारी की 15.49 लाख रुपए कर दी गई है।

तीन पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ रुपया

मुंबई । रुपया मंगलवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले 83.98 पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच रुपये ने सीमित दायरे में कारोबार किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.95 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.98 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट को दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.95 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.63 अंक पर रहा।

आईटी और फार्मा ने दौड़ाया बाजार.....

लगातार दूसरे दिन हरे निशान पर बंद

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी का शेयर सबसे ज्यादा 2.41 प्रतिशत की तेजी आई।

मुंबई ।

मंगलवार को एशियाई बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज हुई और दोनों प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका के महंगाई के आंकड़े जारी होने से पहले आईटी शेयरों में तेजी और कैंसर की चुनिंदा दवाओं पर जीएसटी घटने पर फार्मा शेयरों में लिवाली के चलते बाजार चढ़कर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को तेजी के साथ 81,768.72 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 82,196.55 अंक के उच्च स्तर तक चला गया था। अंत में सेंसेक्स 0.44 प्रतिशत या 361.75 अंक की बढ़त लेकर 81,921.29 पर बंद हुआ।वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मंगलवार को सकारात्मक नोट के साथ खुला। इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान 25,130.50 अंक के हाई लेवल तक जाने के बाद अंत में निफ्टी 104.70 अंक की तेजी के साथ 25,041.10 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी का शेयर सबसे ज्यादा 2.41 प्रतिशत की तेजी आई।

साथ ही एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, टीसीएस, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, मारुति और इंफोसिस के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

वहीं दूसरी तरफ, बजाज फिनसर्व का शेयर सबसे ज्यादा 1.77 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एसबीआई के शेयर भी गिरकर बंद हुए।

दरअसल अमेरिकी शेयर बाजार में सोमवार को आए उछाल का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा।

साथ ही विदेशी और घरेलू निवेशकों की लिवाली तथा ऋड आयल की कीमतों में कमी के चलते बाजार चढ़कर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। चीन और हांगकांग का स्टॉक मार्किट जहां बढ़त में बंद हुए। वहीं दक्षिण कोरिया का कॉपी और जापान का निक्केई 225 गिरावट में बंद हुआ

। इसके अलावा यूरोपीय बाजार मंगलवार को मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को उछाल के साथ बंद हुए।

चीन का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 308.65 अरब डॉलर हुआ

हांगकांग ।

विदेशों में मांग बढ़ने की वजह से चीन के निर्यात में लगातार पांचवें महीने वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि धीमी होती चीनी अर्थव्यवस्था के बीच आयात में गिरावट आई है। चीन के सीमा शुल्क कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त में निर्यात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.7 प्रतिशत बढ़कर 308.65 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। यह अर्थशास्त्रियों के करीब 6.5 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। जुलाई में निर्यात सात प्रतिशत की दर से बढ़ा था। अगस्त में यह आंकड़ा 18 महीने में सबसे मजबूत है। इसकी बड़ी वजह अगस्त 2023 में कम आधार है, जब निर्यात में 8.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। तुलनात्मक रूप से एक साल पहले की तुलना में आयात में केवल 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए करीब दो प्रतिशत के अनुमान से कम है। कैपिटल इकोनॉमिक्स के चिचुन हुआंग ने कहा कि निर्यात मूल्य पिछले 17 महीने में सबसे तेज गति से बढ़े हैं। निर्यात की मात्रा रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। हमें उम्मीद है कि निकट भविष्य में निर्यात मजबूत रहेगा, जिसे चीन की वास्तविक प्रभावी विनिमय दर में गिरावट से समर्थन मिल रहा है। चीन का व्यापार अधिशेष अगस्त में बढ़कर 91.02 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो जुलाई में 84.65 अरब अमेरिकी डॉलर था। निर्यात की मांग बढ़ रही है, लेकिन चीन घरेलू मांग को बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहा है। सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अगस्त में 0.6 प्रतिशत बढ़ा, जो पूर्वानुमानों से कम है। अधिकारियों ने खराब मौसम के कारण खाद्य कीमतों में वृद्धि को उच्च सीपीआई का कारण बताया। हालांकि मुख्य सीपीआई अगस्त में केवल 0.3 प्रतिशत बढ़ा, जो तीन वर्षों में सबसे कम है। फैक्टरी प्रबंधकों के एक आधिकारिक सर्वेक्षण के अनुसार अगस्त में चीन की विनिर्माण गतिविधि छह महीने के निचले स्तर पर आ गई, पिछले सप्ताह जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार क्रय प्रबंधक सूचकांक 49.1 पर आ गया। 50 से नीचे का आंकड़ा विनिर्माण गतिविधि में संकुचन को दर्शाता है।

सुजलॉन को एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी से पवन ऊर्जा का मिला ठेका

नई दिल्ली ।

अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन को एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी से 1,166 मेगावाट का देश का सबसे बड़ा पवन ऊर्जा हो सिल करने का ठेका हो सिल हुआ है। कंपनी का कहना है कि सुजलॉन गुजरात में एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की दो परियोजनाओं और इंडियन ऑयल एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की एक परियोजना में हाइब्रिड लैटिस टयूबलर (एचएलटी) टावर तथा 3.15 मेगावाट की निर्धारित क्षमता वाले एस144 के कुल 370 पवन टरबाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) की स्थापना करेगी। कंपनी ने कहा कि इस ठेके के साथ सुजलॉन की संचीय ऑर्डर बुक तीन सितंबर 2024 तक लगभग पांच गीगावाट हो गई। सुजलॉन समूह के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हम देश की प्रमुख पवन ऊर्जा मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) के रूप में एनटीपीसी लिमिटेड की अक्षय शाखा एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ साझेदारी कर खुश हैं।

ह्यूंडई ने पेश की बोल्ड न्यू अलकेजर

मुंबई ।

ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने अपनी नई प्रीमियम एसयूवी, बोल्ड न्यू ह्यूंडई अलकेजर लांच कर दी है। ह्यूंडई की यह नई पेशकश 6 और 7 सीटर कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध है और इसके साथ इंटेंस, पावरफुल और फन-टू-ड्राइव परफॉर्मेंस की पेशकश की गई है। बोल्ड न्यू ह्यूंडई अलकेजर को 1.5 लीटर टर्बो जीडीआई पेट्रोल इंजन और 1.5 लीटर सीआरडीआई डीजल इंजन के साथ पेश किया गया है। पेट्रोल इंजन के साथ 6 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और 7 स्पीड डीसीटी विकल्प उपलब्ध हैं, जबकि डीजल इंजन के साथ 6 स्पीड मैनुअल और 6 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्प हैं। एसयूवी का वाइडर और टॉलर स्टांस सड़क पर इसकी मौजूदगी को और दमदार बनाता है। बोल्ड न्यू ह्यूंडई अलकेजर के इंटीरियर्स को प्रीमियम और आरामदायक अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। दूसरी पंक्ति में वेंटिलेटेड

कैप्टन सीट्स और थाई कुशन एक्सटेंशन जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो लंबी यात्राओं के दौरान आराम सुनिश्चित करती हैं। इसमें एनएफसी टेक्नोलॉजी के साथ डिजिटल की की सुविधा भी है, जो स्मार्टफोन या स्मार्टवॉच से एसयूवी को लॉक और अनलॉक करने की सुविधा देती है। सुरक्षा के लिए 19 फीचर्स के साथ ह्यूंडई स्मार्टसेंस लेवल 2 एडीएएस, 6 एयरबैग, सराउंड व्यू मॉनीटर, और हिल डिसेंट कंट्रोल जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसमें 70 से ज्यादा ब्लूलिंक कनेक्टेड कार फीचर्स और 10 नेचर एंबिएंट साउंड का विकल्प भी दिया गया है।

बिटकॉइन दुनिया की सबसे पहली विकेंद्रीकृत क्रिप्टोकरेंसी या कहें कि डिजिटल कॉइन है

नई दिल्ली ।

इसे विकेंद्रीकृत क्रिप्टोकरेंसी इसलिए कहा जाता है क्योंकि दुनिया की कोई भी फाइनेंशियल रेग्युलेटरी अथॉरिटी इस पर नियंत्रण नहीं रखती है। ये पीयर-2-पीयर सॉफ्टवेयर और क्रिप्टोग्राफी पर काम करती है ।बिटकॉइन के क्रिएशन को करीब एक दशक बीत चुका है. इन 10 सालों में ये दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बन चुकी है. इस लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी में लेनदेन के लिए बिटकॉइन ब्लॉकचेन का इस्तेमाल किया जाता है।प्रत्येक बिटकॉइन 10,00,00,000 सैटोशिस से बना होता है, ये बिटकॉइन की सबसे छोटी इकाई है । इसे आप ऐसे समझ सकते हैं कि 1 रुपये में 100 पैसे होते हैं. ये यूनिट्स एक बिटकॉइन को 8 डेसिमल प्लेस में विभाजित करने लायक बनाती हैं. इसलिए लोग एक बिटकॉइन को कई टुकड़ों में खरीद पाते हैं ।ये बात ध्यान रखने वाली है कि बिटकॉइन जैसा वास्तव में कोई सिक्का या नोट नहीं होता । इसे एक सार्वजनिक खाते में केवल बैलेंस रिकॉर्ड के तौर पर रखा जाता है। बिटकॉइन से जुड़े सभी लेनदेन को रजिस्टर करने में भारी मात्रा में कंप्यूटिंग पावर इस्तेमाल होती है। इसी प्रोसेस को 'माइनिंग' कहा जाता है।

जैसे पहले बताया गया है कि बिटकॉइन को दुनिया के किसी देश की सरकार या वित्तीय संस्था, बैंक इत्यादि जारी नहीं करते हैं। बल्कि दुनिया के कई देशों में इसे वैध मुद्रा तक नहीं माना जाता है. लेकिन एक बात है कि बिटकॉइन के लोकप्रिय होने के बाद से ही दुनिया में कई और क्रिप्टोकरेंसी लॉन्च की गईं।

जीवन बीमा कंपनियों का नया कारोबार प्रीमियम 22 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

जीवन बीमा कंपनियों की अगस्त में नई पॉलिसी की बिक्री से प्रीमियम आय 22 प्रतिशत बढ़कर 32,644 करोड़ रुपए हो गई। उद्योग निकाय जीवन बीमा परिषद की तरफ से जारी मासिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 5 महीनों में बीमा कंपनियों का नया कारोबार प्रीमियम संग्रह 21 प्रतिशत बढ़कर 1,54,194 करोड़ रुपए हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 1,27,661 करोड़ रुपए था। इन आंकड़ों से पता चलता है कि नए पॉलिसी से प्रीमियम आय बढ़कर अगस्त में 32,644 करोड़ रुपए हो गई जबकि अगस्त, 2023 में यह 26,788.55 करोड़ रुपए थी। इस साल अब तक का प्रीमियम संग्रह पिछले साल के 1,27,661 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,54,194 करोड़ रुपए हो गया। व्यक्तिगत उपभोक्ताओं और कॉरपोरेट ग्राहकों की ओर से बीमा सुरक्षा की मांग लगातार बने रहने के बावजूद अगस्त, 2024 में नई पॉलिसी जारी करने की संख्या 1.44 प्रतिशत घटकर 23,94,007 रह गई। पिछले साल की समान अवधि में बीमा कंपनियों ने 24,28,895 पॉलिसी बेची थीं। जीवन बीमा कंपनियों ने पिछले महीने 1,08,147 व्यक्तिगत जीवन बीमा एजेंट को जोड़ा। वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत में मौजूद एजेंटों की कुल संख्या 3.748 बढ़ चुकी है।

स्कूटर डेस्टिनी का अपडेटेड मॉडल जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली ।

इंडियन मार्केट में जल्द ही हीरो मोटोकॉर्प अपनी 125सीसी स्कूटर डेस्टिनी का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर सकती है।

हीरो मोटोकॉर्प ने लॉन्च से पहले स्कूटर का टीजर जारी किया है जिसमें स्कूटर के नए फीचर्स की झलक दिखाई गई है।

कंपनी ने यह टीजर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी किया है। टीजर के अनुसार, स्कूटर के एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और लंबी सीट दी है। इसके अलावा अपकमिंग हीरो डेस्टिनी 125 एक्स्ट्रीम में कई नए फीचर्स और अपडेटेड इंजन के साथ स्टाइलिंग में भी सुधार देखने को मिलेंगे।'फैमिली-स्कूटर' के थीम को जारी रखते हुए इसके डिजाइन को फ्रेश लेकिन सिंपल और बॉक्सी रखा गया है। नई डेस्टिनी स्कूटर में एक लंबी सीट है, जिसमें एक इंटीग्रेटेड बैकरेस्ट है। फ्रंट एप्रन में माउंटेड टर्न इंडिकेटर्स भी हैं। टेल लाइट और रियर इंडिकेटर्स का डिजाइन काफी एडवांस्ड और अट्रेक्टिव है। अभी स्कूटर के वाइट कलर को ही दिखाया गया है, जो इसे प्रीमियम लुक देता है। नए डेस्टिनी 125 में फ्रंट और रियर पैनल के साथ-साथ रियरव्यू मिरर सहित पूरे स्कूटर में ब्रास एक्सेंट दिए गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, अपकमिंग डेस्टिनी 125 की एक्स-शोरूम कीमत 85,000 से 90,000 रुपये के बीच रखी जा सकती है। नया स्कूटर 125सीसी सेगमेंट में सुजुकी एक्सेस 125, टीवीएस जुपिटर 125 और होंडा एक्टिवा 125 को टक्कर देगा। टीजर वीडियो कंपनी ने स्कूटर का फ्रंट लुक दिखाया है जो मौजूदा हीरो डेस्टिनी 125 से एकदम अलग नजर आ रहा है।

साथ ही यह अब और भी स्टाइलिश और कंफर्टेबल लग रहा है। इसमें सबसे बड़ा अपडेट एच-शेप का एलईडी डीआरएल और एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप है।

ऋषभ पंत, लोकेश राहुल और शुभमन गिल को दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर से आराम

अनंतपुर (एजेंसी)। ऋषभ पंत, लोकेश राहुल और शुभमन गिल सहित बांग्लादेश के खिलाफपहले क्रिकेट टेस्ट के लिए टीम में चुने गए अधिकतर खिलाड़ियों को 12 सितंबर से दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर से मंगलवार को आराम दिया गया। रविवार को टीम में आकाश दीप, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल को जगह दी गई थी। इन सभी को दूसरे दौर में खेलने से छूट दी गई है। तेज गेंदबाज यश दयाल और सरफराज खान को हालांकि दलीप ट्रॉफी से नहीं बाहर किया गया है, जिससे संकेत मिलते हैं कि वे बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय एकादश का हिस्सा नहीं बनने वाले है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, 'चयनकर्ताओं ने गिल के विकल्प के तौर पर प्रथम सिंह (रेलवे), लोकेश राहुल के विकल्प के तौर पर अक्षय वाडकर (विदर्भ) और जुरेल के विकल्प के तौर पर एसके रशीद (आंध्र) को चुना है। बीसीसीआई के अनुसार, स्पिनर शम्स मुलानी टीम में कुलदीप की जगह, जबकि आकाश की जगह आकिब खान (उत्तर प्रदेश) को चुना गया है।

गिल की जगह मयंक अग्रवाल को भारत 'ए टीम का कप्तान बनाया गया है। जायसवाल और पंत के विकल्प के तौर पर चयनकर्ताओं ने सुयश प्रभुदेसाई और रिंकू सिंह को चुना है। भारत 'डी टीम में अक्षर के स्थान पर निशांत संधू को जगह मिली है। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे हल्की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। रुतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली भारत 'सी टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिसंबर 2022 के बाद पहली बार लाल गेंद का क्रिकेट खेलते हुए पंत ने दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में प्रभावित किया था। लोकेश राहुल और आकाश दीप ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

अपडेट टीम इस प्रकार हैं :

भारत ए : मयंक अग्रवाल (कप्तान), रियान पराग, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियान, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत, प्रथम सिंह, अक्षय वाडकर, एसके रशीद, शम्स मुलानी और आकिब खान।

भारत बी : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), सरफराज खान, मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीशन, सुयश प्रभुदेसाई, रिंकू सिंह और हिमांशु मंत्री।

भारत डी : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व

ताइडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई, सारांश जैन, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत, सौरभ कुमार, संजू सैमसन, निशांत संधू और विद्वथ कावेरप्पा।

राइट-आर्म मीडियम नहीं, ना राइट-आर्म फास्ट यह गलत है: बुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह तेज गेंदबाज के लिए छोटा रन-अप एक सख्त हाथ की गेंदबाजी एक्शन के साथ खत्म होता है जिसे कोचिंग मैनुअल कभी स्वीकार नहीं कर सकता लेकिन बुमराह ने न केवल उस अजीबोगरीब एक्शन के साथ प्रदर्शन किया है, बल्कि दुनिया भर के बल्लेबाजों के लिए खतरा भी बन गए। मुंबई इंडियंस के लिए 2013 आईपीएल के साथ बड़े मंच पर अपनी मौजूदगी के बाद से इस गेंदबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प वीडियो सामने आया है, जो मुंबई इंडियंस के साथ उनके डेब्यू साल का है, जिसमें एक युवा बुमराह के बारे में प्रकाशित एक स्टोरी में उन्हें राइट आर्म मीडियम कहे जाने पर बुमराह ने आपत्ति जताते नजर आ रहा है। उन्हें किसी से यह कहते सुना जा सकता है, यह गलत लिखा है। राइट-आर्म मीडियम नहीं है ना, राइट-आर्म फास्ट है।

आईपीएल में अपना जलवा दिखाने के तीन साल बाद बुमराह ने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के लिए खेला था। इसके तीन दिन बाद उन्होंने टी20आई में पदार्पण किया और जनवरी 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में पहली बार टेस्ट जर्सी पहनी और खेला। बुमराह ने अब तक भारत के लिए 36 टेस्ट में 159 विकेट, 89 वनडे में 149 विकेट और 70 टी20आई में 89 विकेट ले चुके हैं।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर की भविष्यवाणी, कहा- बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में विराट कोहली लगा सकते हैं डबल सेंचुरी

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को लेकर भविष्यवाणी की है। दरअसल, इसी महीने 19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। जिसके बाद वे न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उतरेंगी। इन्हीं दो सीरीजों से पहले बासित अली ने कहा कि विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ शतक नहीं, बल्कि डबल सेंचुरी लगाएंगे।

बता दें कि, इससे पहले विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेले थे, क्योंकि उस दौरान उनके बेटे का जन्म होना था। बासित अली को विश्वास है कि विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में दमदार कमबैक करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले टेस्ट मैचों में बड़े शतक उनसे देखने को मिल सकते हैं।

बासित ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड सीरीज में आप विराट से बड़ी शतकीय पारियां देखेंगे। सिर्फ 110 या 115 नहीं, आप उनसे 200 रन की पारी भी देख सकते हैं। विराट कोहली ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 7 दोहरे शतक जड़े हैं। विराट कोहली हैं कि शशतक को कैसे बड़े शतक में तब्दील किया जाता है। यही कारण है कि बासित अली ने उनका समर्थन किया है।

बांग्लादेश के नाहिद राणा ने भारत के खिलाफ बनाया प्लान, टीम इंडिया को 6.2 फुट के लंबे गेंदबाज से रहना होगा सावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज होने जा रहा है। इस सीरीज में नदीम राणा का अहम रोल रहने वाला है। दरअसल, पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा का रोल बहुत अहम रहा था। बांग्लादेश ने पाकिस्तानी के खिलाफ 2-0 से क्लीनस्वीप किया था और नाहिद राणा ने इस सीरीज में 6 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं नाहीद राणा अब भारत के खिलाफ प्लान बना रहे हैं। जिससे टीम इंडिया के बल्लेबाजों को उनसे निपटना बड़ी चुनौती होगी।

21 सास का ये गेंदबाज 6.2 इंच लंबा है और लगातार करीब 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेदंबाजी करने में सक्षम है। बांग्लादेश क्रिकेट ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, इमें राणा ने कहा कि, निश्चित रूप से हम भारत के खिलाफ सीरीज के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। हमने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। हम जितनी ज्यादा प्रैक्टिस करेंगे उतना अधिक हम मैच के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि, भारत की टीम बहुत अच्छी है लेकिन जो टीम अच्छा खेल

दिखाएगी उसे जीत मिलेगी। राणा ने इस साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था और इस मैच में उन्होंने 150 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार निकाल कर लोगों को ध्या खींचा था। पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं राणा ने कहा कि, पाकिस्तान दौरे पर जाने से पहले मैंने कहा था कि मैं अपने देश के लिए कुछ हासिल करना चाहता हूं और मुझे खुशी है कि मुझसे जो उम्मीद की गई थी उस पर मैं खरा उतरा हूं। फिलहाल, भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर को चेन्नई में खेला जाएगा। जहां कि पिच से उछाल मिलने की उम्मीद है।

13 सितंबर से शुरु होगा आईएसएल फुटबॉल

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने 2024-25 सत्र के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये फुटबॉल टूर्नामेंट 2024-25 सत्र 13 सितंबर से शुरु होगा। इसका पहला मुकाबला मोहन बागान और मुंबई सिटी एफसी के बीच होगा। इन दोनो ही टीमों के बीच पिछले सत्र में भी खिताबी मुकाबला हुआ था। आईएसएल के अनुसार इस नये सत्र में 84 मुकाबले होंगे। शुरुआती सप्ताहांत में 14 सितंबर को सत्र में पहली बार एक दिन में दो मुकाबले खेलें जाएंगे। इस दौरान चेन्नईयिन एफसी की ओडिशा एफसी के बीच एक मैच जबकि बेंगलुरू एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी के बीच दूसरा मुकाबला होगा। वहीं दूसरे दिन केरल ब्लास्टर्स एफसी की टीम पंजाब एफसी का सामना करेगी। हैदराबाद एफसी की टीम अपना पहला मैच बेंगलुरू एफसी के खिलाफ खेलेगी। आईएसएल के इस सत्र में 13 टीम हिस्सा लेंगी। इसमें आईलीग चैंपियन मोहम्मडन स्पोर्टिंग भी रहेगी। स्पोर्टिंग अपना पहला मुकाबला 16 सितंबर को नॉर्थईस्ट यूनाईटेड एफसी से खेलेगी। स्पोर्टिंग के आने से अब बंगाल की तीन टीमें इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने का प्रयास करेंगी। इसमें मोहन बागान और ईस्ट पहले से ही खेलती रही हैं। इसमें मोहन बागान और मोहम्मडन स्पोर्टिंग के बीच पांच अक्टूबर को मुकाबला होगा जबकि ईस्ट बंगाल और मोहन बागान की टीमें 19 अक्टूबर को आमने-सामने होंगी।

रणजी ट्राफी में मिसाल कायम करने वाले 19 साल के मुशीर जा सकते हैं ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को इस साल आखिर में ऑस्ट्रेलिया खेलने जाना है। टीम इंडिया के साथ ही भारतीय ए-टीम भी इस दौरे पर जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ए-टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए 19 साल के मुशीर खान को इस टीम में जगह मिल सकती है। भारत-ए के ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए यह बल्लेबाज तैयार है, जिसमें चार दिवसीय तीन टेस्ट होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का इंतजार हर एक फैन को है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत 22 नवंबर से होने जा रही है। इस दौरे पर भारत की सीनियर टीम के साथ भारत-ए की टीम भी जाएगी। इस टीम में उन खिलाड़ियों को मौका दिया जाता है जो घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित करते हैं। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के चोटिल होने की स्थिति में भारत-ए टीम से खिलाड़ियों को चुना जाता है।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज : अनुभव के आधार पर राहुल प्लेइंग इलेवन में

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज में बल्लेबाज केएल राहुल को टीम में जगह मिल गई है। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में सरफराज खान के शानदार प्रदर्शन ने सभी को प्रभावित किया लेकिन बांग्लादेश

के खिलाफ प्लेइंग इलेवन में उन्हें जगह नहीं मिली। केएल राहुल का अनुभव उन्हें फायदा दिलाएगा। टीम प्रबंधन और चयन समिति का पूरा ध्यान नवंबर-दिसंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और राहुल को 50 टेस्ट मैचों का अनुभव है। टीम प्रबंधन के लिए सरफराज की निडरता और टेस्ट कप्तान रहे एक अनुभवी खिलाड़ी के बीच चयन है जो एक दशक से राष्ट्रीय टीम का हिस्सा है। बीसीसीआई सूत्र ने नाम ना बतारे की शर्त पर कहा कि बाहर के लोगों को यह समझ में नहीं आता कि टीम कैसे काम करती है और किस तरह की व्यवस्था होती है। केएल राहुल ने अपने पिछले तीन टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका में शतक बनाया जो हाल के समय में सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारियों में से हैं और चोट लगने से पहले हैदराबाद में अपने पिछले टेस्ट में 86 रन बनाए। घरेलू क्रिकेट के स्टार खिलाड़ी सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में अपने पहले मैच में दो अर्धशतक और धर्मशाला में अर्धशतक लगाकर शानदान शुरुआत की थी। उन्होंने तेज और धीमे दोनों गेंदबाजों को धुना था। सूत्र ने कहा कि सरफराज ने सब कुछ सही किया है लेकिन कोई भी खिलाड़ी चोटिल होता है तो उन्हें खिलाया जाएगा। राहुल के पास अनुभव है। टीम प्रबंधन सिर्फ बांग्लादेश को ही नहीं देख रहा है बल्कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज पर भी ध्यान दे रहा है, जहां पिछला अनुभव मायने रखता है।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी: जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगा भारत

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। पहले दो मैच में जीत से उत्साहित गत चैंपियन भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में बुधवार को यहां मलेशिया के खिलाफ होने वाले मैच में जीत का अपना सिलसिला जारी रखने के लिए उतरेगी। भारतीय टीम ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था लेकिन तब मैदानी गोल नहीं कर पाना उसके लिए चिंता का विषय बना हुआ था। प्रतियोगिता में भारत ने 15 गोल किए थे लेकिन इनमें केवल तीन मैदानी गोल शामिल हैं। वर्तमान टूर्नामेंट में हालांकि उसके युवा स्ट्राइकरों ने उसकी इस चिंता को कुछ हद तक कम किया है।

ओलंपिक के बाद संन्यास लेने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भी इस क्षेत्र में सुधार करने की जरूरत पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था, 'अगर हमें भारतीय हॉकी टीम को अगले स्तर पर पहुंचाना है और ओलंपिक

में लगातार पदक जीतने हैं तो हमें अधिक मैदानी गोल करने होंगे क्योंकि हमारी रक्षापंक्ति की भी अपनी सीमाएं हैं।' भारतीय रक्षापंक्ति लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारत ने पहले मैच में मेजबान चीन को 3-0 से हराकर खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। उसने अपने अगले मैच में जापान को 5-1 से हराया था। भारत ने अभी तक जो आठ गोल किए हैं, उनमें सात मैदानी गोल शामिल है जबकि युवा ड्रैग-फ्लिकर संजय ने जापान के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला था। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे युवा स्ट्राइकर सुखजीत सिंह ने अभी तक तीन मैदानी गोल किए हैं जबकि अभिषेक और उत्तम सिंह ने दो-दो मैदानी गोल किए हैं।

वर्तमान फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार है। वह इससे पहले चार बार चैंपियन रह चुकी है। दूसरी तरफ मलेशिया का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उसे एक मैच में हार का सामना करना पड़ा जबकि एक अन्य मैच उसने ड्रॉ खेला। भारत ने हालांकि नए ओलंपिक चक्र की शुरुआत की है और ऐसे में वह किसी भी टीम को हल्के से लेने की गलती नहीं करेगा। छह टीमों के राउंड रोबिन मैच के बाद चोटी पर रहने वाली चार टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी जो 16 सितंबर को खेले जाएंगे। फाइनल 17 सितंबर को होगा।

यूएस ओपन विजेता यानिक सिनर एटीपी रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचे

न्यूयॉर्क। अमेरिकी ओपन के पुरुष चैम्पियन यानिक सिनर ने सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर अपनी बढ़त दोगुनी करने में सफल रहे जबकि उपविजेता टेलर फ्रिट्ज शीर्ष 10 में और महिला उप विजेता जेसिका पेगुला डब्ल्यूटीए रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंची। पुरुष चैंपियन सिनर ने एटीपी रैंकिंग में जून पर शीर्ष पर पहुंचे थे। उन्होंन फ्रिट्ज को 6-3, 6-4, 7-5 से हराकर अमेरिकी ओपन खिताब जीता। फ्रिट्ज सातवें नंबर से शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। वहीं, महिला चैंपियन आर्यना सबालेंका डब्ल्यूटीए रैंकिंग में इगा स्वियातेक के पीछे दूसरे नंबर पर रहीं। शनिवार को सबालेंका ने फाइनल में पेगुला पर 7-5, 7-5 की जीत दर्ज की थी। पिछले साल अमेरिकी ओपन में कोको गॉफ से हारकर उपविजेता रहने के बाद सबालेंका ने कुछ समय के लिए स्वियातेक को नंबर एक स्थान से हटा दिया था। सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था। नोवाक जोकोविच तीसरे राउंड में एलेक्सी पोपिरिन से पराजित होने के बाद रैंकिंग में दूसरे स्थान से चौथे स्थान पर खिसक गए। अलेक्जेंडर ज्वेरेव दूसरे नंबर पर और उनके बाद कार्लोस अल्काराज तीसरे स्थान पर हैं। डेनियल मेदवेदेव पांचवें और एंड्री रूबलेव छठे स्थान पर बने हुए हैं।

भारतीय टीम के खिलाफ खेलना हमेशा ही चुनौतीपूर्ण : हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना हमेशा ही चुनौतीपूर्ण होता है। हेजलवुड के अनुसार इस बार उनकी टीम ट्रॉफी अपने पास लाने का पूरा प्रयास करेगी। पिछले एक दशक में ये ट्रॉफी भारतीय टीम के पास रही है। हेजलवुड के अनुसार भारत के खिलाफ खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है क्योंकि वे यहां की परिस्थितियों के इतने आदी हैं कि उन्हें यह पसंद है। उनके शीर्ष छह या सात खिलाड़ अविश्वसनीय हैं। मैंने अपनी पहली सीरीज में उनके खिलाफ खेला, जाहिर है और हमने जीत हासिल की, शायद वह आखिरी बार था जब हम जीते थ। बहुत से वही खिलाड़ी अभी भी खेल रहे हैं, मुझे लगता है कि मैंने विराट को उस गेम में हराया था। उन्होंने कहा, तो हमारे बहुत से खिलाड़ी, मुझे लगता है, भारत को टेस्ट सीरीज में नहीं हरा पाए हैं।

वहीं अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने कहा है कि भारतीय टीम को क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया को हराने में काफी खुशी मिलती है जबकि पिछले कुछ वर्षों में दोनो के बीच प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 2018/19 और 2020/21 में हुई पिछली दो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की है। भारतय टीम 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाले पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया में जीत की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेगी, इसके बाद एडिलेड, ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में खेल होंगे। ख्वाजा ने कहा, हम पिछले दो सालों से दुनिया की नंबर एक और नंबर दो टीमें हैं। हम पिछली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में एक साथ थे। प्रतिद्वंद्विता हमेशा से बहुत बड़ी रही है। मैं इसे सम्मान के संकेत के रूप में लेता हूं और मुझे पता है कि भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी रूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत पसंद है।

वहीं तेज गेंदबाज़ ऑलराउंडर मिशेल मार्श का मानना है कि इस सीरीज से टेस्ट प्रारुप को को आगे बढ़ाने का अवसर

मिलेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह केवल क्रिकेट है जो दोनों टीमों के बीच खेला गया है। अगर आप इतिहास, हाल के इतिहास को देखें, तो हमने चीजें जीती हैं, उन्होंने चीजें जीती हैं। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो के बीच एक अच्छी प्रतिस्पर्धा है।

नेशंस लीग : एमबापे के बिना भी जीता फ्रांस, बेल्जियम को 2-0 से हराया

जिनेवा : स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबापे को विश्राम दिए जाने के बावजूद फ्रांस ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में बेल्जियम को 2-0 से हराया। एमबापे के पेरिस सेंट जर्मेन के दो पूर्व साथियों रैंडल कोलो मुआनी और ओस्मान डेम्बेले ने फ्रांस की तरफ से गोल किए। फ्रांस अपने पिछले मैच में शुक्रवार को इटली से 3-1 से हार गया था लेकिन बेल्जियम के खिलाफ जीत से उसने टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इटली ने सोमवार को इज़राइल को 2-1 से हराया और वह चार टीमों के ग्रुप में शीर्ष पर है। इस बीच अर्लिंग हॉलैंड के 80वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की मदद से नॉर्वे ने ऑस्ट्रिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में स्लोवेनिया के स्टार बेंजामिन सेस्को ने कजाकिस्तान पर 3-0 की जीत में हैट्रिक बनाई।

हम एक-दूसरे के साथ काफी अच्छे... विराट कोहली के साथ दोस्ती पर खुलकर बोले स्टीव स्मिथ

मुम्बई (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होगा। लेकिन उससे पहले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने विराट कोहली के साथ अपनी दोस्ती को लेकर बयान दिया है। दरअसल, स्मिथ ने कहा कि उनकी कोहली के साथ उनकी अच्छी बनती है। दोनों एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। बता दें कि, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी।

स्टीव स्मिथ और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली फैब फोर का हिस्सा हैं। इसमें इंग्लैंड के जो रूट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन भी शामिल हैं।

स्टीव स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि, हम एक-दूसरे के साथ काफी अच्छे से पेश आते हैं। हम समय-समय पर एक-दूसरे को मैसेज करते हैं। वह शानदार इंसान होने के साथ-साथ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ऐसे में इस गर्मी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में फिर से उनके खिलाफ खेलना अच्छा रहेगा। स्मिथ का कहना है कि कोहली का सोचने और खेलने का तरीका ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों जैसा ही है। उन्होंने कोहली को अपने विचारों और एक्शन में ऑस्ट्रेलियाई करार दिया।

स्मिथ ने आगे कहा कि, मेरा मानना है कि विराट कोहली विचारों और एक्शन में ऑस्ट्रेलियाई हैं। जिस तरह से वह मैच में उतरते हैं जिस तरह से वह चुनौती का सामना करते हैं और विपक्ष टीम पर हावी होने की कोशिश करते हैं, वो कमाल है। वह शायद भारतीय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 टेस्ट मैचों में 54.08 की औसत से 1252 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक शामिल हैं। स्मिथ ने कहा कि उनकी कोहली के संग कोई पर्सनल राइवलरी नहीं है और वह हमेशा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि, इसमें कोई सच्चाई नहीं कि मुझे उन्हें पछाड़ना है या ऐसा कुछ भी करना है।

सनातन युवा संगठन द्वारा गणपति महोत्सव का आयोजन; लिंबायत विधानसभा की विधायिका संगीता पाटिल ने श्रीजी का लिया आशीर्वाद

सुरत भुमि, सूरत। नवागांव अश्वनी पार्क सोसायटी में सनातन युवा संगठन ओम कैलाशपति हर हर महादेव मंदिर के प्रांगण में गणेश उत्सव का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर लिंबायत विधानसभा की विधायिका संगीताबेन पाटील भगवान गणेश जी का आशीर्वाद लेने के लिए पंडाल पहुंची। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने विधायिका का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर डिप्टी मेयर डॉ नरेंद्र पाटिल, शासक पक्ष नेता शशिबेन धर्मात्मा त्रिपाठी, बांधकाम समिति के अध्यक्ष भाईदास पाटिल, वार्ड नंबर 27 महिला पार्षद निराला बहन राजपूत , पार्षद सुधाकर भाई चौधरी एवं शिक्षण समिति के सभ्य शुभम उपाध्याय के द्वारा आरती की गई। इस अवसर पर विजय पांडे ने बताया कि बड़े ही धूमधाम से गणेश उत्सव का आयोजन किया गया है, गुलजारीलाल उपाध्याय, धर्मात्मा त्रिपाठी , नरेंद्र मिश्रा तथा मित्र गणों के सहयोग से बड़े धूमधाम से पूजा अर्चना की जा रही है।

'स्वच्छता पखवाड़ा' समारोह के भाग के रूप में एसवीएनआईटी ने 'स्वच्छता दौड़' का आयोजन किया

सूरत।

'स्वच्छता पखवाड़ा' समारोह के हिस्से के रूप में, एसवीएनआईटी-सरदार वल्लभभाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पिपलोद के शारीरिक शिक्षा विभाग ने संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए 1 से 15 सितंबर तक 'स्वच्छता दौड़' का आयोजन किया। साफ-सफाई का आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। इस दौड़ में भाग लिया।

स्वच्छता पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रोफेसर डॉ. एस.एम. यादव, सहायक. प्रोफेसर डॉ. अमृत मुले, हाउसकीपिंग और स्वच्छता के संकाय प्रभारी और एसोसिएट। प्रोफेसर डॉ. एन.के. दत्ता ने प्रत्येक श्रेणी में पहले तीन विजेताओं को पदक प्रदान किए।

प्रो अनुपम शुक्ला एसवीएनआईटी, सूरत के निदेशक के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित दौड़ में वरिष्ठ एसएएस अधिकारी डॉ. चिराग वाघेला और संस्थान के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों ने भाग लिया।

सुरत भुमि, सूरत। नवागाँव के भरत नगर में शिव उत्सव मित्र मंडल द्वारा आयोजित गणेश उत्सव में विधानसभा की विधायिका संगीताबेन पाटिल ने उपस्थित होकर भगवान का आर्शिवाद प्राप्त किया। साथही सूरत महानगरपालिका के डीप्टी मेयर डॉ. नरेंद्र पाटिल, शासक पक्ष नेता शशिबेन त्रिपाठी, बांधकाम समिति के अध्यक्ष भाईदास पाटिल, वार्ड नंबर 27 डिंडोली दक्षिण के पार्षद सुधाकर भाई चौधरी, महिला पार्षद निराला सिंह राजपूत ,परमेश्वर राजपूत, शिक्षण समिती सभ्य शुभम उपाध्याय, भाजपा पदाधिकारी, सदस्य, सामाजिक अग्रणी गणेश उत्सव में शामिल हुए। शंकर दुबे ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कमलेश मिश्रा, संजय मिश्रा ,आंनद तिवारी, उमेश तिवारी , ओमप्रकाश दुबे , मुन्ना दुबे , संजय मिश्रा, प्रदीप श्रीवास्तव, उमेश तिवारी, आकाश सिंह, संजय तिवारी, नवनीत पाडेय , सोनु शुक्ला पुरी टीम, रवि मिश्रा, सुरज तिवारी, शिवम दुबे, दीपक पांडेय, विनायक पाडेय , अंकित पांडेय, गुडडू तिवारी, शनि झा , विमल तिवारी, बयु तिवारी , हरीश मिश्रा, बृजेश दुबे, कृष्णा पांडेय , संतोष दुबे, मोनु पाठक , शारदा मिश्रा , दिलीप दुबे, राधेशयाम शुक्ला , प्रमोद दुबे ,गुडडु मौर्यांजी, प्रशांत तिवारी, गौरीशंकर सिंह , लालचंद मौर्या, मुलायम यादव, रविन्द्र रिषभ तिवारी,मनोज दुबे, रामजी भाई, अनिल दुबे ,नारायण पाल, प्रदीप तिवारी,नीरज पांडेय, गॉधी शुकला, और भारी संख्या मे भक्त उमडे जिन्होंने श्री गणेश भगवान की आरती में भाग लिया और भगवान का आर्शिवाद प्राप्त किया।

ज्योति मयाल: यात्रा और पर्यटन उद्योग में एक अग्रणी शक्ति, टीएएआई ने गुजरात में नई ऊंचाइयों को छुआ

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई) की अध्यक्ष सुश्री ज्योति मयाल यात्रा और यात्रा उद्योग में एक महत्वपूर्ण हस्ती बन गई हैं, जो भारत और विदेश में यात्रा के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उद्योग के चेहरे के रूप में सुश्री माइल्स के नेतृत्व ने न केवल यात्रा क्षेत्र को कोविड-19 महामारी की चुनौतियों का सामना करने में मदद की है, बल्कि गुजरात में क्षेत्र के भीतर सतत विकास, नवाचार, सहयोग के लिए पाठ्यक्रम भी निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त, गुजरात ट्रैवल एजेंटों को उद्योग का दर्जा प्रदान करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

कोरोना महामारी के दौरान, सुश्री मायल ने पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) के साथ साझेदारी में कौशल और उन्नयन पहल की एक श्रृंखला का नेतृत्व करके ट्रैवल एजेंटों और ऑपरेटरों के सामने आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए।

इस प्रयास से यह सुनिश्चित हुआ कि ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सदस्य उभरते परिदृश्य के अनुकूल खुद को ढालने में सक्षम रहें। एजेंटों के अधिकारों के लिए उनकी निरंतर वकालत से एयरलाइनों से रिफंड के लिए सफल बातचीत हुई है, जबकि विदेश मंत्रालय के साथ उनके काम ने वीजा प्रक्रियाओं को फिर से शुरू करने और क्षेत्र की वसूली के लिए आगे समर्थन में मदद की है।

कोविड-19 महामारी के दूसरे चरण से पहले एक मील के पत्थर की पहल में, सुश्री मयाल के नेतृत्व में, टीएएआई ने गुजरात सरकार के सहयोग से एक नॉलेज कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस पहल ने 220 सदस्यों को प्रतिष्ठित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंचाया, एक साहसिक कदम जिसने महत्वपूर्ण समय में स्थानीय पर्यटन को काफी बढ़ावा दिया। इसके अतिरिक्त, जून 2023 में, सुश्री माइलान को गोवा में प्रतिष्ठित जी-20 टूरिज्म मीट में आमंत्रित किया गया था, जहां उन्होंने प्रमुख चर्चाओं को आकार देने में प्रभावशाली भूमिका निभाई थी। टीएएआई द्वारा समर्थित, उन्होंने वैश्विक मेहमानों को भारत के पर्यटन उद्योग की ताकत दिखाने में मदद की और दुनिया के सामने भारत के पर्यटन और आतिथ्य का प्रदर्शन किया।

उनके नेतृत्व में, टीएएआई ने भारत और श्रीलंका, विशेष रूप से जाफना के बीच उड़ानें शुरू करने और भारत और कंबोडिया के बीच कनेक्टिविटी के नए मार्ग खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारत और पड़ोसी देशों के बीच यात्रा विकल्पों के विस्तार के लिए सुश्री मायल के दृष्टिकोण ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत किया है और पर्यटन के अवसरों में वृद्धि की है।

स्थिरता की प्रबल समर्थक, सुश्री मायल ने लगातार जिम्मेदार पर्यटन प्रथाओं की आवश्यकता पर जोर दिया है। पर्यावरण-अनुकूल यात्रा को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों ने स्थिरता को टीएएआई के एजेंडे में सबसे आगे रखा है। इसके अलावा ट्रैवल एजेंटों को उद्योग का दर्जा दिलाने के लिए उनका अभियान देश भर में एजेंटों के लिए बेहतर नीति समर्थन और वित्तीय स्थिरता की वकालत करते हुए गति पकड़ रहा है।

अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए, सुश्री ज्योति मयाल ने कहा, "यात्रा में नेतृत्व बड़ी तस्वीर को समझने के बारे में है। फोकस और विस्तार के मामले में गुजरात हमेशा हमारी योजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारा उद्योग लोगों, संस्कृतियों और अनुभवों को जोड़ता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, नवाचार, स्थिरता और समावेशिता को अपनाना आवश्यक है। साथ ही हम मिलकर यात्रा के भविष्य को फिर से परिभाषित कर सकते हैं और समाज और पर्यावरण पर स्थायी प्रभाव डाल सकते हैं।

वकालत, नवाचार और सतत विकास की विरासत के साथ, सुश्री मायल का नेतृत्व गुजरात और भारत के पर्यटन उद्योग का उत्थान जारी रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि यह लगातार विकसित हो रहे वैश्विक क्षेत्र में फलता-फूलता रहे।

केरौलिना, डूमस

सूरत शहर के उधना मगदल्ला रोड नवजीवन सर्कल के पास कापड़िया हेल्थ क्लब में वैष्णो माता मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति

इन्नोमेट एडवांस्ड मैटेरियल्स लिमिटेड का आईपीओ 11 सितंबर, 2024 को खुलेगा

मुंबई । फेरस एवं नान फेरस मेटल/अलॉय पाउडर्स के विस्तृत स्पेक्ट्रम की वैश्विक सप्लायर, इन्नोमेट एडवांस्ड मैटेरियल्स लिमिटेड ने 11 सितंबर, 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत रू100 प्रति शेयर मूल्य पर 3,423.60 लाख एकत्र करने का है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमेज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे.

इश्यू साइज रू10 प्रत्येक सम भाव पर 34,23,600 इक्विटी शेयर्स तक है.

इक्विटी शेयर आवंटन

नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) : 16,26,000 इक्विटी शेयर्स

रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स (आरआईआई) : 16,26,000 इक्विटी शेयर्स

मार्केट मेकर: 1,71,600 इक्विटी शेयर्स

आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी की जरूरत के लिए, मशीनरी और उपकरण की खरीदी हेतु पूंजी खर्च की जरूरत के लिए, बकाया कर्ज का रीपेमेंट करने के लिए, आम कॉर्पोरेट खर्चों और इश्यू खर्च को कवर करने के लिए किया जाएगा. इश्यू 13 सितंबर, 2024 को बंद होगा.

ऑफर की बुक रनिंग लीड मैनेजर एक्सपर्ट ग्लोबल कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड है. इश्यू की रजिस्ट्रार स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है.

इन्नोमेट एडवांस्ड मैटेरियल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, श्री विनय चौधरी चिलकपति ने कहा,"हमारे व्यापक अनुभव एवं विभिन्न प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ हमने हमारे ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाया है. इस आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि से ग्रोथ को आगे बढ़ाकर और हमारे ऑपरेशंस के विस्तार द्वारा हमारे बिजनेस के विस्तार से हम इस सुअवसर के बारे में रोमांचित है और कंपनी के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की प्रतीक्षा कर रहे हैं."

एक्सपर्ट ग्लोबल कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, श्री गौरव जैन ने कहा, " हम इस महत्वपूर्ण माइलस्टोन पर पहुंचने पर इन्नोमेट एडवांस्ड मैटेरियल्स लिमिटेड को हमारी शुभकामनाएं देते है. एक्सपर्ट ग्लोबल कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास व्यापक अनुभव होने के साथ आशाजनक आउटलुक है . हमें उनके आईपीओ की सफलता में विश्वास है और उनके प्रयास को सपोर्ट करने पर गर्व है. जुटाई जाने वाली पूंजी से स्पष्ट रूप से उनकी बाजार पोजीशन मजबूत होगी और उद्योग में उनकी सफलता को आगे बढ़ाएगी. आईपीओ मैनेजमेंट, बिजनेस वैल्यूएशन और फाइनेंशियल एडवाइजरी में हमारी एक्सपर्टीज के साथ हम उनकी यात्रा को सपोर्ट करने के लिए बेहतर स्थिति में है. कंपनी का ग्राहक केंद्रित अप्रोच और विभिन्न पोर्टफोलियो उभरते सुअवसरों का दोहन करने के लिए हमें खास तौर पर पोजीशन में लाता है."

विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी के बाद : लैंक्सेस ने रिलाई+ऑन विरकॉन से किया मंकी पॉक्स के खतरे का मुकाबला

मुंबई। मध्य और पूर्वी अफ्रीका में मंकी पॉक्स (एमपॉक्स) के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की है।

स्पेशियलिटी केमिकल्स बनाने वाली कंपनी लैंक्सेस का कीटाणुनाशक रिलाई+ऑन विरकॉन एमपॉक्स वायरस के विरुद्ध प्रभावकारी साबित हुआ है, जिसे पहले "मंकीपॉक्स वायरस" के नाम से जाना जाता था। स्वतंत्र परीक्षणों से इसकी पुष्टि हुई है जिससे वायरस के विरुद्ध इस उत्पाद की प्रभावकारिता की पुष्टि होती है।

लैंक्सेस में हाइजीन एवं केयर मार्केट सेगमेंट के प्रमुख, रॉय वान वेल ने कहा कि, "खासकर ऐसे समय में जब संक्रमण की दर बढ़ रही है, एक प्रभावकारी कीटाणुनाशक का चुनाव करना महत्वपूर्ण है, जो लक्षित रोगाणुओं को मारने के लिए प्रमाणित हो चुका है।"

रिलाई+ऑन विरकॉन का उपयोग अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों, हवाई अड्डों, सार्वजनिक परिवहन टर्मिनलों, क्लीनिकों, शॉपिंग मॉलों और कई अन्य सार्वजनिक स्थानों में कठोर सतहों के विसंक्रमण के लिए किया जाता है।

रिलाई+ऑन विरकॉन रोगाणुओं के विरुद्ध प्रभावकारी साबित हो चुका है और जोखिम वाले क्षेत्रों में रोकथाम में सहायक है। यह कठोर सतहों पर वायरस को प्रभावकारी ढंग से निष्क्रिय करता है, जिससे संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद मिलती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय स्माशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)